RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः 125, गुरुवार, 18 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

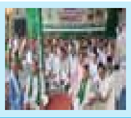
बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ राजद का विशाल महाधरना 03

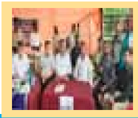
पताही में तीन दिवसीय सहयोग शिविर आयोजित, विधायक लालबाबू प्रसाद ... 04

कभी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं निवेथा पेथुराज, 'सिंग गीतम... 07

संक्षिप्त समाचार

नक्सलियों की कमर तोड़ने का मिला ईनाम

- आईपीएस सुंदरराज बने एनआईए में आईजी
- केंद्र सरकार ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएं देने वाले वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी सुंदरराज पी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में आइजी के पद पर नियुक्त किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार को पत्र जारी कर उनकी प्रतिनियुक्ति को मंजूरी दे दी है। गृह मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि वर्ष 2003 बैच के आइपीएस अधिकारी सुंदरराज पी को सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर एनआईए भेजा जा रहा है। राज्य सरकार से उन्हें तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करने का अनुरोध किया गया है, ताकि वे केंद्र में अपनी नई जिम्मेदारी संभाल सकें। 46 वर्षीय सुंदरराज पी ने बस्तर क्षेत्र में लगभग 12 वर्षों तक सेवा दी है। इनमें से करीब सात वर्ष उन्होंने लगातार बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अथवा क्षेत्रीय पुलिस प्रमुख के रूप में बिताए। बस्तर रेंज में दक्षिण छत्तीसगढ़ के सात जिले शामिल हैं, जो लंबे समय तक नक्सली गतिविधियों से प्रभावित रहे हैं। सुंदरराज पी को नक्सल विरोधी अभियानों के प्रभावी संचालन और सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है।

ममता सरकार में मंत्री रहे उदयन गुहा गिरफ्तार

सीएम शुभेंदु अधिकारी पर हमले का है आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सत्ता जाने के बाद एक-एक करके तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं को पुराने मामलों में गिरफ्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को पश्चिम बंगाल पुलिस ने कोलकाता के फूलबागान से पूर्व मंत्री उदयन गुहा को गिरफ्तार कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्व विधायक को तोलाबाजी (जबरन वसूली) के आरोप में कूचबिहार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, अभी तक पुलिस ने इस मामले में कोई जानकारी नहीं दी है कि उदयन को किस मामले में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक उदयन के ऊपर आरोप हैं कि उन्होंने सरकारी अस्पताल में बच्चों की एक यूनिट बनवाने के नाम पर बाजार से करोड़ों रुपए जुटाए थे। लेकिन उसके बाद इसमें धांधलेबाजी की। इस मामले में शिकायतकर्ता रूपम साहा ने कहा कि यह कार्रवाई होनी ही चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उदयन ने 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद उदयन ने करीब 20 से 25 करोड़ रुपए इकट्ठे किए थे। लेकिन इसके बाद उन्होंने 40 से 50 लाख रुपए का ही काम करवाया।

1.78 लाख करोड़ का हुआ भारत का डिफेंस प्रोडक्शन

- एक साल में 15.6 फीसदी बढ़ा, रक्षा मंत्रालय ने हथियारों की सफलता के बारे में भी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का सालाना डिफेंस प्रोडक्शन 2025-2026 में 1.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह 2024-2025 के 1.54 लाख करोड़ के मुकाबले 15.6 फीसदी बढ़ा है। वहीं, साल 2020-2021 (84,643 करोड़) के मुकाबले इसमें 110 फीसदी का भारी उछाल आया है। वित्तीय वर्ष 2013-2014 में देश का स्वदेशी रक्षा उत्पादन 43,746 करोड़ था, जो अब करीब चार गुना बढ़ चुका है। पीएम मोदी ने भी एक्स (एक्स) पर लिखा कि पिछले 12 सालों में आत्मनिर्भरता, तकनीक, इनोवेशन और स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग के दम पर भारत के रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आया है। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय ने रक्षा सौदों के साथ प्रमुख हथियारों की सफलता के बारे में बताया।

एनसीआर के चारों राज्यों में

बनेगी एक-एक नमो सिटी

- दिल्ली-एनसीआर में लगने वाले प्रतिबंध से राहत मिलेगी, दायरे में कोई परिवर्तन नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में चार ग्रीन फील्ड ब्लू सिटी (नमो सिटी) विकसित होंगी। एनसीआर में शामिल चारों राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में एक-एक नमो सिटी होगी, जिन्हें एक चैलेंज के जरिए चुना जाएगा। शहरी मामले मंत्रालय ने नमो सिटी विकास के लिए अगले 5 वर्ष में 5 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान रखा है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक में मंगलवार को यह फैसला हुआ। बैठक के दौरान दिल्ली व हरियाणा के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में एनसीआर के लिए रीजनल प्लान-2041 के प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

- **प्रदूषण पर अब इलाके के अनुसार लगेंगे नए प्रतिबंध-** एनसीआर में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े प्रतिबंध भविष्य में तीन चरणों में लागू हो सकते हैं, जो कोर एरिया, सेंट्रल एरिया और पूरे एनसीआर के लिए अलग-अलग होंगे। परिवर्तन स्कीम के तहत बीएस-1, 2 और 3 वाहनों को स्क्रैप किया जाएगा और बीएस-4 वाहनों को एनसीआर से बाहर चलने की अनुमति होगी। शुरुआत में यह स्कीम स्वैच्छिक होगी, बाद में इसे तीन चरणों में लागू किया जाएगा। नमो सिटी एक प्रस्तावित मेगा स्मार्ट सिटी परियोजना है, जिसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विकसित करने की योजना पर विचार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भविष्य की जरूरतों के मुताबिक एक आधुनिक, प्रदूषण-मुक्त और तकनीक आधारित शहर बसाना है। हालांकि केंद्र सरकार ने अभी तक 'नमो सिटी' नाम से कोई आधिकारिक परियोजना घोषित नहीं की है।

- **'ग्रीन और स्मार्ट' होंगे दिल्ली के इलाके-** यह शहर पूरी तरह 'ग्रीन और स्मार्ट' होगा। इसके बड़े हिस्से में हरियाली (ग्रीन बेल्ट) विकसित की जाएगी। प्रदूषण रोकने के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहन और साइकिलों को अनुमति दी जाएगी। शहर को 'ग्लोबल मिनीफाइड स्मार्ट सिटी' की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। यहां 24 घंटे बिजली-पानी, भूमिगत यूटिलिटी लाइन, स्मार्ट कचरा प्रबंधन जैसी सुविधाएं होंगी। घरों के पास ही दफ्तर और व्यावसायिक केंद्र होंगे, जिससे ट्रैफिक और प्रदूषण कम होगा।

जी-7 समिट ने भारत को दी बड़ी टेंशन

- रूसी तेल पर खत्म होगी छूट, बढ़ सकती है परेशानी
- यूक्रेन को एयर डिफेंस और मिसाइलें देने का ऐलान

पेरिस (एजेंसी)। जी-7 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने यूक्रेन को और हथियार देने का वादा किया है जिसमें एयर डिफेंस और लंबी दूरी तक मार करने वाले सिस्टम शामिल हैं। साथ ही उन्होंने रूस के तेल और गैस सेक्टर पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की तैयारी की भी बात कही है। इसका मतलब है कि आने वाले वक्त में भारत की परेशानी और बढ़ सकती है। जी 7 नेताओं ने एक साझा बयान जारी कर एयर डिफेंस सिस्टम और लंबी दूरी तक मार करने वाले सिस्टम समेत और हथियार भेजने का वादा किया है। साथ ही उन्होंने संकेत दिया है कि रूस के एनर्जी सेक्टर पर सख्ती करने का 'सही समय' आ गया है।

रूस के खिलाफ ईयू ने लगा रखे हैं 21 प्रतिबंध- यूरोपीय संघ (ईयू) पहले ही रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के 21 पैकेज लागू कर चुका है। इनमें से सबसे हालिया पैकेज इस महीने की शुरुआत में लागू किया गया था जिसमें मॉस्को की तेल बिक्री और तथाकथित शैडो फ्लीट (गुप्त रूप से काम करने वाले जहाजों के बेड़े) को निशाना बनाया गया था। जी 7 के बयान में ऊर्जा के मामले में मजबूती (एनर्जी रेजिलिएंस) के महत्व पर भी जोर दिया गया है और यूक्रेन को अगली सर्दी से निपटने में मदद करने का वादा किया गया है क्योंकि आमतौर पर रूस कड़ाके की ठंड के दौरान देश के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाता है।

- **रूस के खिलाफ यूक्रेन को हथियार सौंपेंगे जी 7 देश-** यूरोप यूक्रेन का मुख्य समर्थक है और हालिया अनुमानों के मुताबिक 2022 में पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू होने के बाद से कुल मिलाकर लगभग 200 बिलियन यूरो की सैन्य और वित्तीय सहायता यूक्रेन को दी गई है। साथ ही 90 अरब यूरो का अतिरिक्त ऋण भी दिया गया है जो इस महीने से मिलना शुरू हो जाएगा। कुल सहायता में अमेरिका का योगदान लगभग 115 अरब यूरो है। साथ ही जी 7 नेताओं का कहना है कि वे कीव के लिए मिलिट्री प्रोडक्शन (सैन्य उत्पादन) के लाइसेंस को बढ़ाने पर विचार करने को तैयार हैं जिसे अमेरिका में बने एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल पैट्रियट सिस्टम की बहुत ज्यादा जरूरत है। जी 7 की तरफ से जारी बयान में कहा गया है हम रूस की युद्ध-आधारित अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। इस संदर्भ में हम और आगे बढ़ेंगे।

योगी ने रील बनाने वाले पुलिसवालों को चेताया

कहा-हंसी का पात्र बनने वाला काम मत कीजिए, ये अनुशासनहीनता

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने रीलबाज सरकारी कर्मियों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने ड्यूटी के दौरान रील बनाने को अनुशासनहीनता करार दिया है। कहा- अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग ड्यूटी के समय रील बनाने में व्यस्त रहते हैं, यह अनुशासनहीनता का एक पार्ट है। उस समय उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना चाहिए। ऐसा कोई काम नहीं होना चाहिए, जिससे व्यक्ति या विभाग उपहास का पात्र बने। मुख्यमंत्री बुधवार को लखनऊ के लोकभवन सभागार में आयोजित यूपी पुलिस के नवनियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटरों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने 930 कंप्यूटर ऑपरेटर (ग्रेड-ए) को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

कमिश्नरेट सिस्टम लागू करने से हिचकिचाहट होती थी- सीएम ने कहा- पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू करने की हिम्मत नहीं कर पा रहे थे। आईएएस फाइलों को ऐसा दबाते थे जिसे यमराज भी नहीं निकाल सकते थे। आईएएस नहीं चाहते थे की पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू हो। लेकिन हमारी सरकार ने इसे लागू कर पुलिस व्यवस्था को और मजबूत बनाया। पहले उत्तर प्रदेश में साइबर सुरक्षा से संबंधित केवल एक थाना था, जबकि अब प्रत्येक जिले में साइबर थाना स्थापित किया जा चुका है। साइबर फ्रॉड के मामलों में समय रहते सूचना मिलने पर अधिकांश लोगों की रकम बचाने में सफलता मिल रही है।

डीआईजी तक 2017 के पहले सुरक्षित नहीं थे- मुख्यमंत्री ने कहा- नवनियुक्त कर्मचारी अपने अभिभावकों से पूछें कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश और पुलिस व्यवस्था की क्या स्थिति थी। उस समय प्रदेश में आए दिन दंगे होते थे। कानून-व्यवस्था को लेकर लोगों में असुरक्षा का माहौल था।

अब अखिलेश की सपा में 'टूट' का किया दावा

- राजभर ने कहा-रामगोपाल ने अमित शाह को चिट्ठी सौंपी

लखनऊ (एजेंसी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अगुवाई वाली समाजवादी पार्टी (एसपी) में भी बड़ी टूट होने का दावा किया है। ममता बनर्जी की अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के ज्यादातर सांसदों के टूटकर एक नई पार्टी में शामिल होने और उद्धव ठाकरे की शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) में बचे अधिकतर सांसदों के अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना में जाने की अटकलों के बीच राजभर के इस बयान से यूपी के राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है। ओमप्रकाश राजभर हाल के दिनों में अखिलेश यादव पर लगातार तंज और आरोप की लय में आरोप लगा रहे हैं। ओपी राजभर ने बुधवार की सुबह सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर एक ट्वीट में दावा किया है कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होगी। उन्होंने लिखा है कि सपा के प्रमुख नेता रामगोपाल यादव ने अमित शाह को चिट्ठी भेजी है।

टीएमसी के बाद उद्धव की पार्टी भी टूटी

- 9 में से 6 सांसद हुए बागी, लोकसभा अध्यक्ष से मिले
- 4 साल पहले शिंदे 39 विधायकों के साथ अलग हुए थे

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी है। सूत्रों के अनुसार, छह सांसदों ने शिंदे गुट की शिवसेना में विलय के लिए बुधवार सुबह 9.30 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को चिट्ठी भेजी है।

सूत्रों के अनुसार, चिट्ठी भेजने वाले सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल का नाम शामिल है। संजय दीना पाटिल ने पार्टी छोड़ने की अटकलों को खारिज किया था। उन्होंने कहा- मैं उद्धव ठाकरे की पार्टी का सांसद हूं और इसी पार्टी में रहूंगा।

इधर, शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बागी सांसदों को गाली दी। राउत ने कहा- ये साले..। ये बेईमान लोग हैं। बेईमानी उनके खून में हैं। राउत ने बाद में मीडिया से कहा- मराठी में ऐसे शब्द आम बोलचाल का हिस्सा हैं।

राउत बोले- सांसदों को 50-50 करोड़ ऑफर, चार्टर्ड से दिल्ली आए- राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि बागी सांसदों को 50-50 करोड़ रुपए ऑफर हुए हैं। राउत ने कहा- मेरे पास जानकारी है कि सांसदों को 15-15 करोड़ रुपए पहुंचाए गए हैं और उन्हें 3 चार्टर्ड विमानों से दिल्ली लाया गया है। राउत की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से सिर्फ 3 सांसद, अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और अरविंद सावंत मौजूद रहे। राउत ने कहा कि बाकी सांसदों को खुद सामने आकर अटकलों का खंडन करना चाहिए।

उद्धव सांसदों को मनाने में जुटे, आज दिल्ली में बैठक बुलाई- उद्धव और अन्य पार्टी लीडर्स अपने सांसदों से लगातार संपर्क करने और उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। पार्टी ने गुरुवार को दिल्ली में संसदीय समिति की बैठक बुलाई है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, पार्टी ने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर बैठक में शामिल होने को कहा है।

- ब्रिटेन में सबसे पुराने भारतीय-रेस्तरां पर बंद होने का खतरा

वीरास्वामी की 100 साल पुरानी लीज खत्म, मालिक कोर्ट पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में मौजूद सबसे पुराना भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी बंद होने का खतरा बढ़ गया है। जिस इमारत में यह रेस्तरां चलता है, उसका मालिक क्राउन एस्टेट है। क्राउन एस्टेट ब्रिटेन की एक बड़ी सरकारी संपत्ति संस्था है, जो राजा या रानी के नाम पर चलती है। अब क्राउन एस्टेट वीरास्वामी की इमारत में कुछ बदलाव और नया निर्माण करना चाहते हैं। इसी वजह से उन्होंने रेस्तरां का किराये का समझौता (लीज) आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया है। वीरास्वामी रेस्तरां की जून 2025 में लीज खत्म हो गई थी। रेस्तरां का कहना है कि अगर लीज नहीं बढ़ाई गई तो उसे 100 साल पुरानी अपनी जगह छोड़नी पड़ेगी। इसलिए उसने इस फैसले को चुनौती देने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

100 साल से चल रहा रेस्तरां

वीरास्वामी की शुरुआत अप्रैल 1926 में हुई थी। यह सिर्फ एक रेस्तरां नहीं बल्कि ब्रिटेन में भारतीय खाने के इतिहास का अहम हिस्सा माना जाता है। पिछले एक सदी में यहां कई मशहूर लोग आ चुके हैं। इनमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल, अभिनेत्री विवियन ली, अभिनेता मार्लन ब्रैंडो, लॉरेंस ओलिवियर, चार्ली चैपलिन और यहां तक कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भी शामिल हैं। रेस्तरां का मेन्यू भारत में जन्मे एडवर्ड पामर ने तैयार किया था।

कर्नाटक में 'रिजॉर्ट पॉलिटिक्स' की वापसी

- एमएलसी चुनाव से पहले कांग्रेस-जेडी (एस) ने बैठाया विधायकों पर पहरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। गुरुवार को होने वाले कर्नाटक विधान परिषद (एमएलसी) के सात सीटों के चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। डीके शिवकुमार के राज्य के सीएम बनने के बाद एक बार फिर रिजॉर्ट पॉलिटिक्स की वापसी दिख रही है। कांग्रेस ने इस चुनाव में पांच उम्मीदवार उतारे हैं जबकि भाजपा के दो उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं जेडी (एस) ने अंतिम समय में अपना उम्मीदवार उतारा है। हालांकि उसके पास जीत के लिए पर्याप्त संख्या बल नहीं माना जा रहा है। कांग्रेस विधायक दल की मंगलवार शाम बैठक हुई जिसके बाद पार्टी ने अपने विधायकों को बेंगलुरु दक्षिण जिले के एक रिजॉर्ट में रहने का निर्देश दिया। गुरुवार को सभी विधायकों को सीधे विधानसभा मतदान के लिए ले जाया जाएगा। कर्नाटक में कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) ने अपने-अपने विधायकों को बेंगलुरु के आसपास अलग-अलग रिजॉर्ट्स में ठहराया है ताकि एमएलसी चुनाव से पहले क्रॉस वोटिंग और गैरहाजिरी की आशंका को रोका जा सके। **सीएम डीके शिवकुमार ने जताई चिंता-** बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने चिंता जताई कि कुछ कांग्रेस विधायकों से जेडी (एस) संपर्क कर सकती है। इसके बाद विधायकों को यह भी प्रशिक्षण दिया गया कि मतदान कैसे किया जाए क्योंकि इस चुनाव में वरीयता आधारित सिस्टम का इस्तेमाल होता है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री तथा जेडी(एस) नेता एच. डी. कुमारस्वामी ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी कांग्रेस विधायकों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है।

- **बीजेपी से कुमारस्वामी का निवेदन-** जेडी(एस) ने अपने विधायकों को देवनहल्ली पहुंचा दिया है और अपने गठबंधन सहयोगी भाजपा से अतिरिक्त वोटों को ट्रांसफर करने की अपील की है। एचडी कुमारस्वामी ने कहा, हम एक छोटी पार्टी हैं। हम क्या कर सकते हैं? उनके पास (कांग्रेस के पास) संख्या बल, ताकत और धनबल है। क्या हम उनके खिलाफ मुकाबला कर सकते हैं। इस चुनाव में जीत के लिए 28 प्रथम वरीयता वोट हासिल करना जरूरी होगा जिसके बाद उम्मीदवार को विजेता घोषित किया जाएगा। इस कारण चार कांग्रेस उम्मीदवार- कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद, टिप्पन्नप्पा कमकनूर, पीवी मोहन और शिवन्ना मल्लावली और दो भाजपा उम्मीदवार- लिंगराज पाटिल और रघु कौटिल्य को आरामदायक जीत मिलने की संभावना जताई जा रही है। सातवीं सीट के लिए कांग्रेस के पास दो वोटों की कमी बताई जा रही है। हालांकि पार्टी को भरोसा है कि कार्तिक के पक्ष में डाले गए दूसरे वरीयता (सेकंड प्रेफरेंस) वोटों की मदद से वह आसानी से जीत हासिल कर लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

'हॉरमुज जलडमरूमध्य खुलते ही घटेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम'

हाजीपुर। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने हाजीपुर में एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि हॉरमुज जलडमरूमध्य के खुलने के बाद पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में कमी आएगी। पासवान ने यह भी दावा किया कि 2029 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चौथी बार सरकार बनेगी। पासवान ने पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में हुई वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण इन उत्पादों के दाम बढ़े हैं। हालांकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही जलडमरूमध्य का रास्ता खुलेगा, कीमतों में कमी पर विचार किया जाएगा, जिससे लोगों को जल्द राहत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष की एकता पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले विपक्ष एकजुट दिखता है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही उनका गठबंधन बिखर जाता है। पासवान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसी का नतीजा है कि विपक्ष के नेता भी एनडीए का हिस्सा बन रहे हैं और आने वाले दिनों में और भी लोग गठबंधन में शामिल होंगे।

अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई, चार गाड़ी जब्त, 11.96 लाख रुपये का जुर्माना लगा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिला प्रशासन ने मीनापुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर चार गाड़ी को जब्त किया और लगभग 11.96 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी के सख्त निर्देश पर जिले में बालू के अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। मीनापुर थाना क्षेत्र के चंद परना गांव के पास बूढ़ी गंडक नदी के तट पर अवैध बालू खनन की सूचना मिली थी, जिसके बाद एक संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान, टीम ने अवैध रूप से बालू का परिवहन कर रहे चार गाड़ी को मौके से जब्त किया। जांच में पाया गया कि बिना वैध अनुमति के 22,000 घन फीट सफेद बालू का खनन और परिवहन किया जा रहा था। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी ड्राइवर मौके से फरार हो गए। जब्त वाहनों और खनिज के संबंध में विस्तृत जांच की गई। खनन विभाग की ओर से उपलब्ध साक्ष्यों और जांच प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित वाहन मालिकों को दोषी पाया गया। इसके बाद बिहार खनिज नियमावली और प्रचलित प्रावधानों के तहत इन वाहन मालिकों पर कुल 11 लाख 96 हजार 500 रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकार के राजस्व को क्षति पहुंचाने और पर्यावरणीय संतुलन को प्रभावित करने वाले अवैध खनन को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध बालू खनन से न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान होता है, बल्कि नदी तटों के कटाव, जलधाराओं के स्वरूप में परिवर्तन और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन लगातार निगरानी रख रहा है और सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के बाद खान निरीक्षक, मुजफ्फरपुर ने जब्त चारों वाहनों के मालिकों और चालकों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करने के लिए मीनापुर थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया। तदनुसार मीनापुर थाना मे केस संख्या 273/26 की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि मामले में संलिप्त सभी व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध खनन अधिनियम व अन्य संबंधित धाराओं के तहत कडी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध बालू खनन या परिवहन की गतिविधि दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन अथवा पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। प्रशासन का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सरकारी राजस्व की रक्षा करना है।

4 लाख में सेंटर मैनेज करता था सॉल्वर गैंग, मोबाइल से मिले 200 से ज्यादा छात्रों के दस्तावेज

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में सिपाही भर्ती परीक्षा नकल कराने वाले सॉल्वर गैंग की जांच हो रही है। मिठनपुरा थाना पुलिस की जांच में पता चला है कि गिरोह का मास्टरमाइंड संजीत कुमार उर्फ रंजन परीक्षा केंद्र तक मैनेज करने का काम करता था। मोबाइल से 200 से ज्यादा छात्रों के दस्तावेज मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि इस पूरे नेटवर्क में कुछ परीक्षा केंद्रों से जुड़े लोगों की भी भूमिका हो सकती है। इस बिंदु पर गहन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभ्यर्थियों का एडमिट कार्ड जारी होने के बाद संजीत उर्फ रंजन संबंधित परीक्षा केंद्र को मैनेज करने के लिए करीब चार लाख रुपए तक की डील करता था। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए नकल कराने की पूरी रणनीति तैयार की जाती थी। गिरफ्तार अभ्यर्थियों और गिरोह के अन्य सदस्यों से पूछताछ में इस संबंध में कई अहम जानकारियां मिली हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि परीक्षा से एक दिन पहले अभ्यर्थियों को पटना बुलाया जाता था। वहां उन्हें माइक्रोफोन, ब्लूटूथ इयरबड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जाता था। परीक्षा के दौरान प्रश्नों को बाहर बैठे सॉल्वर तक पहुंचाने और जवाब वापस अभ्यर्थियों तक भेजने की पूरी प्रक्रिया समझाई जाती थी। पुलिस का मानना है कि गिरोह लंबे समय से इसी तरीके से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सक्रिय था। गिरफ्तार मास्टरमाइंड संजीत उर्फ रंजन के मोबाइल फोन की जांच में 200 से अधिक छात्रों के एडमिट कार्ड, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज मिले हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन दस्तावेजों का इस्तेमाल किन परीक्षाओं में और किस उद्देश्य से किया गया। जांच एजेंसियां मोबाइल की कॉल डिटेल, चैट हिस्ट्री और डिजिटल ट्रांजेक्शन की भी पड़ताल कर रही हैं। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि गिरोह का नेटवर्क बिहार के कई जिलों तक फैला हुआ था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने कई अन्य संदिग्ध लोगों की पहचान की है। उनकी तलाश में भोजपुर, बिहटा समेत कई स्थानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। जांच में मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में नेटवर्क फैले होने के संकेत मिले हैं।

मुजफ्फरपुर में तेज आंधी के साथ बारिश, लोगों को गर्मी से मिली राहत, किसानों को होगा फायदा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को आज राहत मिली है। शहर और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में अचानक मौसम ने करवट ली, जिसके बाद तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई। इससे तपता वातावरण पूरी तरह ठंडा हो गया। जिले में पिछले कुछ दिनों से सूरज की तपिश और हवा में अत्यधिक नमी के कारण उमस का स्तर रिकॉर्ड तोड़ रहा था। तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, जिससे लोग पसीने से तर-बतर और बेहाल थे। हालांकि, आज दोपहर के बाद मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। तेज धूल भरी आंधी चली, जिसके बाद बादलों की गड़गड़ाहट हुई और हल्की से मध्यम दर्जे की बूंदाबांदी शुरू हो गई। इससे पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस तात्कालिक राहत के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने मुजफ्फरपुर और आसपास के जिलों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह मौसमी बदलाव मानसून के आगमन का संकेत है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी युक्त हवाओं की सक्रियता बढ़ गई है, जिसके चलते अगले 2 से 3 दिनों के भीतर मुजफ्फरपुर में मानसून आधिकारिक तौर पर दस्तक दे देगा। विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि अगले 72 घंटों में जिले के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश हो सकती है और इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। अचानक हुई इस बारिश और आंधी को कृषि विशेषज्ञ और किसान आने वाले फसलों के लिहाज से बेहद फायदेमंद मान रहे हैं। लंबे समय से सूखे खेतों और खरीफ फसलों (विशेषकर धान के बिचड़े) को इस पानी से नया जीवन मिलेगा। हालांकि, मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी दी है कि आंधी और बारिश के दौरान वज्रपात (बिजली गिरने) की भी आशंका है, इसलिए मौसम खराब होने पर पेड़ या बिजली के खंभों के नीचे शरण न लें और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। कुल मिलाकर, इस प्री-मानसून शावर ने मुजफ्फरपुर वासियों को लू और उमस के दौर से बाहर निकाल दिया है और अब हर कोई मानसून की झमाझम बारिश का इंतजार कर रहा है।

पत्नी-सास के साथ मिलकर बेटे ने अपनी मां की कर दी हत्या

एजेंसी, पटना

पटना में बेटे ने पत्नी-सास के साथ मिलकर अपनी मां की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि तीनों आरोपियों ने मिलकर गला दबाकर वारदात को अंजाम दिया है। घटना मोकामा थाना क्षेत्र के कन्हाईपुर गांव की है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच-पड़ताल के बाद 5 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतका की पहचान कृष्णा देवी (65) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मृतका को वृद्धा पेंशन मिलता है। आरोपी नवीन शर्मा अपनी मां से शराब पीने के लिए पेंशन का पैसा मांग रहा था। नवीन की पत्नी और सास भी पैसा मांगने के लिए उकसा रही थीं। इसी विवाद के बढ़ने पर मृतका के बेटे नवीन शर्मा, उसकी पत्नी रंजू देवी और उसकी सास ने मिलकर कृष्णा देवी की गला दबाकर हत्या कर दी।

मृतका की बेटी ने बताया कि 2 दिन पहले भाई नवीन शर्मा, उसकी पत्नी रंजू देवी से फोन पर बात हुई थी। उस दौरान नवीन बोल रहा था कि इस बार वो मां की हत्या कर देगा। तब उसकी पत्नी ने कहा कि तुम कुछ नहीं करोगे। जो करना होगा वो मैं करूंगी। उसने कहा, मैं जेल जाने के लिए तैयार हूं, लेकिन इस बार बिना मारे नहीं छोड़ूंगी। बेटी ने बताया कि दोनों बहू-बेटे मिलकर मां को प्रताड़ित करते थे। उन्हें समय पर सही खाना भी नहीं देते थे। बेटी ने बताया कि उसके भाई नवीन शर्मा की शादी साल 2000 में हुई थी। शादी के बाद से ही, यानी पिछले 26 सालों से, नवीन की पत्नी (मृतका की बहू) रंजू देवी लगातार उसकी मां को प्रताड़ित कर रही थी। घर में आए दिन विवाद होना आम बात हो गई थी।

पुलिस ने 5 आरोपियों को हिरासत में लिया: घटना की सूचना मिलते ही मोकामा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी बेटे नवीन शर्मा, उसकी पत्नी रंजू देवी और उसकी सास को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में संलिप्तता के संदेह में दो अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

♦ पेंशन के पैसे को लेकर हुआ था विवाद

आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज: मोकामा पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस हत्याकांड के पीछे के सटीक कारणों, जैसे संपत्ति विवाद या पारिवारिक कलह का पता लगाने में जुटी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। डीएसपी राम कृष्ण कुमार ने बताया कि, मृतका के गले पर निशान मिले है। इससे यह लगता है कि, बुजुर्ग की गला दबाकर हत्या की गई है। एफएसएल टीम को सूचना दी गई है। फॉरेंसिक जांच के बाद मौत के कारण का पता चलेगा। उन्होंने बताया कि, घटना के बाद 5 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

सिपाही भर्ती परीक्षा-कोसी एक्सप्रेस की एसी बोगी का शीशा तोड़ा

एजेंसी, पटना

बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा का आज दूसरा और अंतिम चरण है। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की एंट्री के बाद गेट बंद कर दिए गए हैं। पहली पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक चली। दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। राज्य के 38 जिलों में बनाए गए 500 सेंटर्स पर करीब 5.52 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए हैं।

इधर, परीक्षा से पहले मंगलवार को अभ्यर्थियों ने कई ट्रेनों पर कब्जा जमा लिया, जिससे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हटिया से पूर्णिया कोर्ट जा रही कोसी एक्सप्रेस के एसी कोच में परीक्षार्थी घुस गए। ट्रेन का एसी फेल होने पर कोच बी-4 में सवार छात्रों ने दो शीशे तोड़ डाले। बाथरूम का शीशा भी क्षतिग्रस्त कर दिया। राजेंद्रनगर स्टेशन पर भी एक शीशा जबरन निकाला गया।

वहीं भभुआ इंटरसिटी एक्सप्रेस में क्षमता से कई गुना अधिक लोग सवार थे। तारेगना स्टेशन पर ट्रेन रुकने के बाद भी प्लेटफॉर्म पर खड़े सैकड़ों यात्री बोगियों के भीतर कदम तक नहीं रख सके। बोगियों के अंदर उमस के चलते कई यात्री बेहोश हो गए। ट्रेन जब परसा स्टेशन से आगे

❐ भभुआ इंटरसिटी में कैंडिडेट्स की भारी भीड़, महुली में पथराव, 5.52 लाख कैंडिडेट दे रहे एग्जाम

महुली पहुंची, तो भीड़ से परेशान यात्रियों ने बार-बार चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका। इसी दौरान नाराज यात्रियों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया।

रेलवे स्टेशन पर सोए अभ्यर्थी: अभ्यर्थियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने 30 स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें अलग-अलग जिलों के लिए चलाई जाएगी। ताकि परीक्षार्थी अपने समय पर सेंट्रस तक पहुंच सके। परीक्षा को लेकर बिहार के कई रेलवे स्टेशनों पर अभ्यर्थियों की भारी भीड़ जुटी। छात्रों को शहर के होटलों में रूम नहीं मिले। इससे पटना, मुजफ्फरपुर, सीवान, मधुबनी समेत दर्जनों रेलवे स्टेशन पर अभ्यर्थियों को सोना पड़ा।

बंगला विवाद पर लालू बोले- सब नीतीश कुमार करवा रहे

एजेंसी, पटना

राबड़ी आवास और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, " हां, हमारी सुरक्षा हटा ली गई है। सब कुछ नीतीश कुमार करवा रहे हैं।" इससे पहले सिंगापुर से लौटने के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा घटाने और बंगला खाली करने के नोटिस को लेकर उन्होंने कहा था, "सब पागल हो गए हैं। घृणा कर रहे हैं। मुझे उन लोगों से कोई फर्क नहीं पड़ता।" वहीं बंगला विवाद और सुरक्षा में कटौती को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी पर निशाना साधा था। दोनों नेताओं ने आरोप लगाया था कि सम्राट चौधरी बदला ले रहे हैं। अब सिलसिलेवार तरीके से जानिए बंगला और सुरक्षा घटाने के बाद

❐ राबड़ी-तेजस्वी ने सम्राट पर बदला लेने का लगाया आरोप

अब तक क्या-क्या हुआ

रविवार रात लालू यादव के साथ उनकी बेटी और सांसद Misa Bharti भी मौजूद थीं। बंगला खाली करने के सवाल पर उन्होंने कहा, "हम 15 दिन के अंदर बंगला खाली कर देंगे।" वहीं, लालू परिवार की सुरक्षा घटाए जाने के मुद्दे पर मीसा भारती ने कहा, "लालू जी और राबड़ी जी को सुरक्षा की जरूरत नहीं है।

निशांत कुमार बोले- पीएमसीएच की शिकायतों को गंभीरता से लिया, जल्द करेंगे औचक निरीक्षण

एजेंसी, पटना

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) को लेकर लगातार कई शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने साफ कहा कि अस्पतालों की व्यवस्था में सुधार सरकार की प्राथमिकता है और जल्द ही वह खुद औचक निरीक्षण कर जमीनी हकीकत का जायजा लेंगे।

PMCH में पत्रकारों की रिपोर्टिंग पर दिया बयान: PMCH में पत्रकारों के साथ मारपीट की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि, 'संविधान ने मीडिया को रिपोर्टिंग का अधिकार दिया है। पत्रकार अस्पतालों में जाकर रिपोर्टिंग कर सकते हैं और उन्हें खबरों के संकलन से नहीं रोका जा सकता। अस्पतालों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है।'

जिला अस्पतालों को बनाया जा रहा मजबूत: जनता दरबार के दौरान निशांत कुमार ने कहा कि, 'राज्य सरकार का लक्ष्य जिला और सदर अस्पतालों को इतना सक्षम बनाना है कि मरीजों को छोटी और सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए पटना न आना पड़े। इसके लिए स्वास्थ्य ढांचे को लगातार मजबूत किया जा रहा है।'

डॉक्टरों को दिया जाएगा विशेष प्रशिक्षण: उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों और जूनियर चिकित्सकों को विशेष प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी दक्षता बढ़ाई जाएगी ताकि अधिक से अधिक चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा सकें।

गंभीर मामलों को ही किया जाएगा रेफर: मंत्री ने कहा कि विभाग की कोशिश है कि अधिकांश बीमारियों का इलाज जिला स्तर पर ही हो जाए। केवल ओपन हार्ट सर्जरी या अत्यधिक जटिल चिकित्सा जरूरतों वाले मामलों में ही मरीजों को पटना या बड़े चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जाए।

निर्देशों के पालन की होगी जांच: निशांत कुमार ने कहा कि उन्होंने सिविल सर्जनों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। अब जल्द ही वह औचक निरीक्षण पर निकलेंगे और यह जांच करेंगे कि उनके निर्देशों का पालन किस स्तर तक हो रहा है।

जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्याएं: स्वास्थ्य मंत्री बुधवार को जनता दरबार में पहुंचे थे, जहां उन्होंने आम लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि, स्वास्थ्य विभाग सीधे तौर पर जनता की उम्मीदों और जरूरतों से जुड़ा विभाग है। इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और लोगों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

खेत विवाद में युवक पर लोहे की रॉड से हमला, पटना के बिहटा में तीन लोग घायल

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के परेव गांव में बुधवार को खेत के रास्ते को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान एक युवक पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए बिहटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान परेव गांव निवासी शिवकुमार वर्मा के रूप में हुई है।

निजी जमीन से ट्रैक्टर ले जाने को लेकर शुरू हुआ विवाद: जानकारी के अनुसार, शिवकुमार वर्मा बुधवार को अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान गांव का एक युवक बालू लदा ट्रैक्टर उनकी निजी जमीन के रास्ते से लेकर जा रहा था। शिवकुमार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि, लगातार ट्रैक्टर गुजरने से खेत में लगी पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो जाती है और उन्हें परेशानी होती है। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया।

साथियों को बुलाकर हमला करने का आरोप: घायल पक्ष का आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद ट्रैक्टर चालक ने वाहन से लोहे की रॉड निकाली और अपने कुछ साथियों को बुला लिया। इसके बाद शिवकुमार वर्मा पर हमला कर दिया गया। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके दो भाई भी इस घटना में घायल हो गए। शिवकुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि गांव के ही अजय यादव के बेटों ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की कोशिश की। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

♦ बालू ले जाने से रोकने पर बवाल

सूचना पर पहुंची पुलिस, आरोपी फरार: घटना की सूचना मिलने के बाद डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपित वहां से फरार हो चुके थे। मामले पर थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी और घायल का इलाज कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और घायल पक्ष से लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पटना में रिटायर्ड शिक्षिका से झपटी सोने की चेन

एजेंसी, पटना

पटना में चेन स्नैचिंग की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला बहादुरपुर थाना क्षेत्र की अलका कॉलोनी से सामने आया है, जहां मंगलवार शाम इवनिंग वॉक पर निकली एक सेवानिवृत्त शिक्षिका से बदमाश ने सोने की चेन झपट ली और फरार हो गया।

इवनिंग वॉक पर निकली महिला का छीनी चैन: जानकारी के अनुसार, अलका कॉलोनी निवासी रीता शर्मा मंगलवार शाम करीब 7 बजे टहलने के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान कॉलोनी की सड़क पर पैदल चलते समय पीछे से आए एक युवक ने उनके गले से सोने की चेन छीन ली। घटना इतनी तेजी से हुई कि शिक्षिका कुछ समझ पातीं, उससे पहले ही आरोपी मौके से भाग निकला। घटना के बाद घटना के बाद रीता शर्मा ने शोर मचाया, लेकिन बदमाश तेजी से भाग निकला। परिजनों को सूचना देने के बाद मामले की लिखित शिकायत बहादुरपुर थाने में दर्ज कराई गई है।

♦ इवनिंग वॉक करने निकली थी महिला, चेन स्नैचिंग की वारदात से दहशत

स्थानीय लोगों में बढ़ी चिंता: स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में राजधानी में चेन स्नैचिंग की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है और महिलाएं और बुजुर्ग अपराधियों के आसान निशाने बन रहे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि शाम के समय पर्याप्त पुलिस गश्त नहीं होने से अपराधियों के हौसले बढ़े हैं।

खान सर के खिलाफ महिला पत्रकार का मानहानि केस

दिल्ली हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार, 2 करोड़ का लगाया है डिफेमेशन

एजेंसी, पटना

खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर के खिलाफ दायर मानहानि मामले में आज दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। बुधवार को एक बार फिर दिल्ली हाई कोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार कर दिया। अदालत ने कहा कि पूर्व में जारी नोटिस पर कई प्रतिवादियों ने जवाब नहीं दाखिल किया है। ऐसे में जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जाता है। मामले पर अगली सुनवाई दो जुलाई को होगी।

इससे पहले सोमवार को मामले की सुनवाई हुई थी, जिसमें अदालत ने खान सर और अन्य टीचर को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। साथ ही उन टीचर्स को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो को हटाने की अंजना की

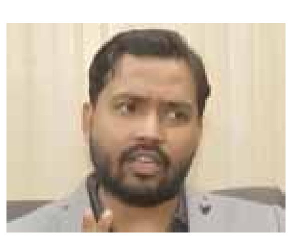

तरफ से की गई मांग को अदालत ने ठुकरा दिया। इससे पहले भी 8 जून को मामले में नोटिस जारी करते हुए अदालत ने कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार कर दिया था। दिल्ली की एक वरिष्ठ महिला पत्रकार ने खान सर के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिका में पत्रकार ने आरोप लगाया है कि उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले बयान दिए गए हैं। इस मामले में उन्होंने खान सर के अलावा कुछ अन्य कोचिंग टीचर्स के खिलाफ भी 2 करोड़ के मानहानि का दावा दायर किया है।

राहुल गांधी के छात्र सम्मेलन को लेकर कांग्रेस की तैयारी, पेपर लीक-बेरोजगारी पर घेराबंदी करेगी

एजेंसी, पटना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रस्तावित बिहार यात्रा और पटना में 11 जुलाई को आयोजित होने वाले छात्र सम्मेलन को सफल बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस ने आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित बुलाई। बैठक की अध्यक्षता बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और राज्यभर में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया। बैठक में बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, 2025 विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार, विभिन्न जिलों के प्रभारी, पूर्व विधायक और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

छात्रों तक पहुंचने के लिए जिला स्तर पर विशेष अभियान: बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने सभी जिला प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अपने-अपने जिलों के कॉलेजों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों से सीधे संवाद स्थापित करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कैंप लगाकर छात्रों की समस्याओं को सुनेंगे और उनसे जुड़े मुद्दों को संकलित करेंगे। छात्रों की शिकायतों और सुझावों के आधार पर पार्टी उनके सवालों और समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगी।

छात्रों के बीच जाएगी कांग्रेस, रथ अभियान की तैयारी: बैठक में कई जिलों के प्रभारियों ने जानकारी दी कि छात्रों तक पहुंचने के लिए विशेष रथ अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और छात्र बहुल क्षेत्रों में जाकर युवाओं से संवाद करेंगे तथा उनकी समस्याओं को सुनेंगे। पार्टी का मानना है कि बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे युवाओं के बीच सबसे बड़े सवाल हैं, जिन्हें लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

पेपर लीक और परीक्षा घोटालों को बनाएगी बड़ा मुद्दा: बैठक में यह रणनीति भी बनाई गई कि राहुल गांधी के छात्र सम्मेलन में उन छात्रों और अभ्यर्थियों को विशेष रूप से शामिल किया जाए जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं से प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस चाहती है कि नीट, सीबीएसई सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई कथित धांधली और पेपर लीक के पीड़ित छात्र सम्मेलन में अपनी बात सीधे राहुल गांधी और जनता के सामने रखें। पार्टी इन मुद्दों को युवाओं के अधिकार और भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल बनाकर उठाने की तैयारी में है।

संक्षिप्त समाचार

10 हजार के इनामी मोहम्मद आदम समेत दो अभियुक्तों ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले के चकिया थाना कांड संख्या 93/2025 में वांछित 10 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त मोहम्मद आदम एवं एक अन्य अभियुक्त मोहम्मद दानिश ने कुर्की की कार्रवाई के भय से बुधवार को माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। पुलिस के अनुसार, चकिया थाना कांड संख्या 93/2025 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में नामजद अभियुक्त मोहम्मद आदम, पिता शेख यनूस तथा मोहम्मद दानिश, पिता मोहम्मद आदम, दोनों निवासी सेमरा बेलबतिया, थाना तुरकौलिया, जिला पूर्वी चम्पारण, लंबे समय से फरार चल रहे थे। मोहम्मद आदम पर पुलिस द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस के बढ़ते दबाव और कुर्की की संभावित कार्रवाई के बीच दोनों अभियुक्तों ने 17 जून 2026 को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार मोहम्मद आदम का आपराधिक इतिहास काफी लंबा रहा है। उसके विरुद्ध वर्ष 1991 में पिपराकोठी थाना में सोना लूट, वर्ष 2004 में तुरकौलिया थाना में बम कांड, वर्ष 2021 में आर्म्स एक्ट एवं मद्यनिषेध अधिनियम, वर्ष 2017 में लूट, वर्ष 2025 में दंगा, हत्या के प्रयास तथा आर्म्स से जुड़े मामलों सहित कुल नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं मोहम्मद दानिश के विरुद्ध भी आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास, लूट एवं अन्य गंभीर मामलों सहित सात आपराधिक कांड दर्ज बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों अभियुक्तों के आत्मसमर्पण से क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

आर्म्स एक्ट मामले में अभियुक्त को दो-दो वर्ष के कारावास की सजा

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले के मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 571/2022 में आर्म्स एक्ट के मामले में त्वरित विचारण के दौरान न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी पाते हुए कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियोजन पदाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा प्रस्तुत पक्ष तथा मोतिहारी पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों एवं चार्जशीट के आधार पर प्रथम वर्ग न्यायिक दंडाधिकारी श्री नवीन कुमार की अदालत ने यह फैसला सुनाया। न्यायालय ने मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पटपरिया गांव निवासी विकास कुमार, पिता शिवपूजन पटेल को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(ए) एवं 26 के तहत दोषी करार दिया। अदालत ने दोनों धाराओं में अभियुक्त को दो-दो वर्ष के कारावास तथा एक-एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह मामला मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 571/2022 (ट्रायल संख्या 1162/2024) से संबंधित है। पुलिस द्वारा अनुसंधान के दौरान एकत्रित साक्ष्यों और न्यायालय में प्रस्तुत चार्जशीट के आधार पर अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने में सफल रहा। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दर्ज मामलों में प्रभावी अनुसंधान एवं सशक्त पैरवी के कारण लगातार दोषसिद्धि सुनिश्चित की जा रही है। न्यायालय के इस निर्णय को कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हत्या और साजिश के मामले में दो अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 50-50 हजार रुपये का जुर्माना

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले के पलनवा थाना कांड संख्या 65/2023 से जुड़े हत्या एवं षड्यंत्र के मामले में एससी/एसटी विशेष न्यायालय, मोतिहारी ने दो अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक रवि प्रकाश द्वारा प्रस्तुत पक्ष तथा मोतिहारी पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों एवं चार्जशीट के आधार पर एससी/एसटी स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश श्री कमलेश चंद्र मिश्रा ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। न्यायालय ने मामले के अभियुक्त टुनटुन सिंह, पिता सुरेश सिंह, निवासी जगधर, थाना पलनवा, जिला पूर्वी चम्पारण तथा बबीता देवी, पति स्वर्गीय बिजली पासवान, निवासी परशुरामपुर, थाना पलनवा (भेलाही ओपी), जिला पूर्वी चम्पारण को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अलावा दोनों अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 120 (बी) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत भी आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मोतिहारी पुलिस द्वारा किए गए अनुसंधान, साक्ष्य संकलन और समय पर न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत किए जाने के कारण मामले में दोषसिद्धि सुनिश्चित हो सकी। न्यायालय के इस फैसले को गंभीर अपराधों के विरुद्ध कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ राजद का विशाल महाधरना

बीएनएम@ मोतिहारी

प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार बुधवार को जिला राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से कचहरी चौक पर एक दिवसीय विशाल महाधरना का आयोजन किया गया। धरना कार्यक्रम में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, खराब विधि-व्यवस्था, लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं तथा कृषि क्षेत्र में किसानों को हो रहे नुकसान और महंगे खाद की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। महाधरना की अध्यक्षता जिला राजद अध्यक्ष सह पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने की, जबकि मंच संचालन पार्टी के प्रधान महासचिव सुरेश साहनी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मनोज कुमार यादव ने कहा कि महंगाई चरम पर पहुंच चुकी है और पेट्रोल-डीजल सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है तथा सरकार नौकरी देने के बजाय युवाओं पर दमनात्मक कार्रवाई कर रही है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार के संरक्षण में शिक्षा माफियाओं द्वारा लगातार पेपर लीक की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। पूर्व मंत्री डॉ. शमीम अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि क्षेत्र में बढ़ते घाटे के कारण किसान परेशान हैं। किसानों को खाद ऊंची कीमतों पर खरीदनी पड़ रही है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अफसरशाही हावी है और हत्या, लूट तथा बलात्कार जैसी घटनाओं में वृद्धि होने के बावजूद प्रशासन प्रभावी कार्रवाई करने में विफल साबित हो रहा है। धरना कार्यक्रम के प्रभारी बिन्नू यादव ने कहा कि नीट घोटाले समेत विभिन्न शिक्षा घोटालों में सरकार की भूमिका संदिग्ध रही है और शिक्षा माफियाओं को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों का जीवन कठिन हो गया है तथा रसोई गैस सिलेंडर सहित आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। धरना कार्यक्रम के समापन के बाद जिलाध्यक्ष मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में राजद नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की। कार्यक्रम में मधुबन जिला राजद संगठन अध्यक्ष नूर आलम खान, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. राजेश कुमार, पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण यादव, पूर्व विधायक राजेंद्र राम, पूर्व विधायक शशि कुमार सिंह, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष संजय निराला, लखींद्र यादव, मीडिया प्रभारी जावेद अहमद, प्रेम यादव, पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन यादव, युवा राजद जिलाध्यक्ष नुरूल होदा, मधुबन जिला युवा अध्यक्ष असलम अहमद, मुन्नी लाल यादव, राजदेव यादव, लालबाबू खान, लालबाबू यादव, इनामुल हक, अवनीश यादव, कुमार शिवम शाह, अवधेश यादव, कृष्ण दास, मंजू साह, राजू सिंह, नयन कुशवाहा, जफर रशीदी, सैफुल आजम, इशरत जहां सहित बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

300 दिनों से लंबित कांडों पर एसपी सख्त, समीक्षा बैठक में दिए त्वरित निष्पादन के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले में लंबित कांडों के निष्पादन और न्यायालयी कार्यों में तेजी लाने को लेकर बुधवार को पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने अभियोजन शाखा के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्यालय डीएसपी सहित अभियोजन शाखा के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान न्यायालयों से निर्गत समन, वारंट, कुर्की एवं इश्तेहार की तामिला की स्थिति का जायजा लिया गया। साथ ही पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई 300 दिनों से अधिक समय से लंबित कांडों की सूची का जीआर रजिस्टर से मिलान कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में एसपी ने सभी थाना लेखकों, कोर्ट प्रभारियों, कोर्ट नायबों एवं अभियोजन शाखा के अधिकारियों को लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि न्यायालयी कार्यों और लंबित कांडों के निष्पादन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी ने न्यायालय में कांडों से संबंधित दैनिक प्रतिवेदन समय पर उपलब्ध कराने तथा न्यायालय द्वारा जारी सभी आदेशों का त्वरित अनुपालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन से न्यायिक प्रक्रिया को गति मिलेगी और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। बैठक में अभियोजन कार्यों की नियमित निगरानी, जवाबदेही तय करने तथा लंबित मामलों के समयबद्ध निष्पादन को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी लंबित मामलों की लगातार समीक्षा कर उनके निष्पादन की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

225 करोड़ की लागत से बदलेगा बापूधाम मोतिहारी स्टेशन का स्वरूप, यात्रियों को मिलेंगी एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं : राधा मोहन सिंह

बीएनएम@ मोतिहारी

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'प्रगति पथ यात्रा' के तहत सांसद एवं पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने बुधवार को निर्माणाधीन बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य पूरा होने के बाद यह पूर्वी चंपारण की नई पहचान बनेगा तथा यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। निरीक्षण के दौरान सांसद ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत लगभग 225 करोड़ रुपये की लागत से बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य तेजी से जारी है और जुलाई 2027 तक इसके पूर्ण होने की संभावना है। स्टेशन को भविष्य की आवश्यकताओं और लगातार बढ़ रही यात्री संख्या को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। राधा मोहन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले वर्षों में अभूतपूर्व विकास किया है। वर्ष 2014 के बाद रेलवे के आधुनिकीकरण और आधारभूत संरचना के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि देश के 99.6 प्रतिशत से अधिक ब्रॉड गेज रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। वहीं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 1337 से अधिक रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनों और विभिन्न रेल परियोजनाओं ने देश की परिवहन व्यवस्था को नई गति प्रदान की है। वर्तमान में देश के विभिन्न हिस्सों में 164 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जो आधुनिक, सुरक्षित और तेज गति वाली रेल सेवा का प्रतीक बन चुकी हैं। सांसद ने कहा कि बापूधाम मोतिहारी स्टेशन का पुनर्विकास न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि जिले के आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन विकास को भी नई दिशा देगा। आधुनिक स्टेशन बनने से स्थानीय लोगों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। निरीक्षण के दौरान विधायक प्रमोद कुमार, बिहार राज्य मछुआरा आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी, भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज, भाजपा के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा रेलवे विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क पर स्टंटबाजी करना युवक को पड़ा महंगा, वायरल वीडियो के आधार पर गिरफ्तारी, बाइक जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले में सड़क पर खतरनाक तरीके से बाइक स्टंट करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के आधार पर नकरदेई थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही स्टंट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था, जिसमें एक युवक सार्वजनिक सड़क पर खतरनाक ढंग से बाइक स्टंट करते हुए दिखाई दे रहा था। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर नकरदेई थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान नकरदेई थाना क्षेत्र के काटगेंवा गांव निवासी सुरेंद्र कुमार के रूप में की गई। पहचान होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया तथा स्टंटबाजी में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने जिले के युवाओं से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर बाइक स्टंट करना न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह एक दंडनीय अपराध भी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां स्टंट करने वाले व्यक्ति के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के जीवन और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोतिहारी पुलिस की सोशल मीडिया गतिविधियों पर लगातार नजर बनी हुई है। भविष्य में भी यदि किसी व्यक्ति द्वारा सड़क पर स्टंटबाजी करने अथवा यातायात नियमों का उल्लंघन करने का वीडियो सामने आता है, तो उसके विरुद्ध तत्काल और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों और युवाओं से अपील की है कि वे जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए यातायात नियमों का पालन करें तथा ऐसी किसी भी गतिविधि से दूर रहें, जिससे स्वयं या दूसरों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

सरकारी विद्यालयों की बदलती तस्वीर ने खींचा लोगों का ध्यान, शिक्षा विभाग की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

बीएनएम@ चिरैया/मोतिहारी

प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर में शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉल ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। स्टॉल पर राज्य सरकार की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के तहत विकसित किए जा रहे मॉडल स्कूल, पीएम श्री विद्यालय तथा उच्च शिक्षण संस्थानों की विशेषताओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर सरकारी विद्यालयों में हो रहे सकारात्मक बदलावों की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी में विशेष रूप से जगन्नाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय, चिरैया का मॉडल प्रदर्शित किया गया, जो आगंतुकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा। विद्यालय की आधुनिक सुविधाओं और शैक्षणिक संरचना को दर्शाने वाले मॉडल को देखने के लिए दिनभर लोगों की भीड़ जुटी रही। आगंतुकों ने इसके माध्यम से विद्यालयों में विकसित हो रही नई शैक्षणिक व्यवस्था को करीब से समझा। शिक्षा विभाग के स्टॉल का संचालन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सरोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान पीएम श्री महादेव साह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चिरैया कोठी के प्रधानाध्यापक प्यारे सतीश कुमार सिंह, जगन्नाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय के ललित कला शिक्षक रवि कुमार, धामु शर्मा तथा बीआरसी के डाटा इंट्री ऑपरेटर सुमंत कुमार सहित अन्य कर्मियों ने लोगों को मॉडल स्कूल और पीएम श्री विद्यालयों की अवधारणा, उद्देश्य एवं सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। शिक्षकों ने बताया कि बिहार सरकार की 'सात निश्चय-3' योजना के तहत प्रत्येक प्रखंड में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, ई-लाइब्रेरी, अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल शिक्षण संसाधन, करियर काउंसलिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। वहीं, पीएम श्री विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप तकनीक आधारित, नवाचारपूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। इन विद्यालयों का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यालयों की उपलब्धियों, शैक्षणिक गतिविधियों तथा सरकार की विभिन्न शिक्षा संबंधी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। शिविर में पहुंचे अभिभावकों और विद्यार्थियों ने शिक्षा विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी विद्यालयों में हो रहे सकारात्मक बदलावों और आधुनिक सुविधाओं की जानकारी मिलने से उनका विश्वास और मजबूत हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को सरकारी विद्यालयों में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराना तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जनकल्याण शिविर में शिक्षा विभाग का यह प्रयास न केवल लोगों को नई शैक्षणिक योजनाओं से जोड़ने में सफल रहा, बल्कि सरकारी विद्यालयों की बदलती तस्वीर और शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

जिले के सभी प्रखंडों में जन कल्याण शिविर जारी, हजारों लोगों की समस्याओं का हो रहा समाधान

बीएनएम@ चिरैया/मोतिहारी

आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में 16 से 18 जून 2026 तक तीन दिवसीय प्रखंड सहयोग सह जन कल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन के अनुसार जिले के सभी 27 प्रखंड मुख्यालयों में शिविर का सफल संचालन किया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। शिविर में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर लाभुकों को राहत प्रदान की जा रही है, जबकि अन्य मामलों के शीघ्र निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। जन कल्याण शिविर में राजस्व, आपूर्ति, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, श्रम संसाधन, बाल विकास परियोजना, पंचायत राज, मनरेगा एवं जीविका सहित विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग सहायता काउंटर स्थापित किए गए हैं। इन काउंटरों पर विभागीय अधिकारियों द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा संबंधित आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। शिविर के दौरान राशन कार्ड में सुधार एवं नए आवेदन, आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण-पत्र, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, श्रमिक पंजीकरण, मनरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, पारिवारिक लाभ योजना समेत अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामलों की सुनवाई की जा रही है। अधिकारियों द्वारा आमजनों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन का कहना है कि जन सहयोग सह जन कल्याण शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उन्हें सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की परेशानी से राहत दिलाना है। प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे शिविरों में पहुंचकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करें। तीन दिवसीय शिविर के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह और संतोष का माहौल देखा जा रहा है। आमजनों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान सरल एवं सुलभ हो रहा है, साथ ही प्रशासन और जनता के बीच संवाद एवं विश्वास भी मजबूत हो रहा है। जिला प्रशासन ने शिविर के सफल संचालन तथा प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निष्पादन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

नकली चाँदी के सिक्कों के साथ संदिग्ध युवक पकड़ा गया, पुलिस कर रही पूछताछ

बीएनएम@ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के शंकरसरैया चौक स्थित एक आभूषण दुकान में नकली चाँदी के सिक्कों के जरिए ठगी का प्रयास करने के आरोप में एक युवक को पकड़ लिया गया। घटना अदिति ज्वेलर्स एवं बर्तन भंडार की है, जहां दुकानदार की सतर्कता से मामला उजागर हो गया। दुकान संचालक विपिन कुमार ने बताया कि सोमवार को करीब दोपहर 2 बजे एक व्यक्ति उनकी दुकान पर आया और चाँदी का सिक्का दिखाने का अनुरोध किया। उसने अपना एक सिक्का काउंटर पर रखकर जांच के लिए दिया। इसी दौरान दूसरे ग्राहक की मांग पर दुकानदार कुछ देर के लिए दुकान के बाहर बाल्टी देने चले गए। वापस लौटने पर उक्त व्यक्ति ने कहा कि उसे चाँदी का सिक्का नहीं खरीदना है और अपना सिक्का वापस लेने को कहा। दुकानदार को सिक्के पर संदेह हुआ तो उन्होंने देखा कि पहले दिखाया गया सिक्का बदल चुका है। शक होने पर जब उन्होंने युवक से पूछताछ करनी चाही तो वह दुकान से बाहर निकलकर भागने लगा। दुकानदार और आसपास के लोगों ने उसे पकड़कर वापस दुकान पर लाया। बाजार के लोगों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर युवक की पैंट की जेब से चाँदी जैसे चार सिक्के बरामद हुए। जांच के दौरान इनमें से एक सिक्का असली पाया गया, जबकि तीन सिक्कों पर केवल चाँदी की परत चढ़ी हुई थी। इससे उनके नकली होने का खुलासा हुआ। पकड़े गए युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के संभल जिले के असमौली थाना क्षेत्र स्थित रामनगर निवासी योगेन्द्र पाल सिंह के रूप में हुई है। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक तथा बरामद सिक्कों को अपने कब्जे में लेकर थाना ले गई। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उसके साथ कोई गिरोह या नेटवर्क जुड़ा हुआ है या नहीं। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

अतिरिक्त 50 हजार रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर नहीं आई बारात, दुल्हन रातभर करती रही इंतजार

बीएनएम@ बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले के योगापट्टी थाना क्षेत्र में दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर एक शादी टूटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दूल्हा पक्ष ने विवाह से ठीक पहले 50 हजार रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग की और मांग पूरी नहीं होने पर बारात लेकर आने से इनकार कर दिया। इस घटना के बाद दुल्हन और उसके परिजन रातभर बारात का इंतजार करते रहे। मामला जोगापट्टी थाना क्षेत्र के मच्छरगावां बाजार का बताया जा रहा है। यहां निवासी शाहिद अंसारी की पुत्री शबनम खातून की शादी रूदलपुर गांव निवासी गुलाब अंसारी के पुत्र अरमान के साथ तय हुई थी। विवाह की तिथि 15 जून निर्धारित थी और लड़की पक्ष द्वारा शादी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। लड़की पक्ष का आरोप है कि शादी के दिन दूल्हा पक्ष ने अचानक 50 हजार रुपये अतिरिक्त देने की मांग कर दी। इसके साथ ही लगभग 200 बारातियों के आने की बात कहते हुए उनके लिए बकरे के मांस की व्यवस्था करने को भी कहा गया। परिजनों के अनुसार उन्होंने भोजन सहित अन्य तैयारियां पूरी कर ली थीं, लेकिन इतनी बड़ी रकम तत्काल जुटा पाना संभव नहीं हो सका। दुल्हन के पिता शाहिद अंसारी ने बताया कि उन्होंने दूल्हा पक्ष को समझाने का प्रयास किया और अतिरिक्त राशि बाद में देने की बात भी कही, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। आरोप है कि अतिरिक्त रकम नहीं मिलने के कारण दूल्हा पक्ष बारात लेकर नहीं आया। उन्होंने यह भी दावा किया कि शादी से पहले दहेज के रूप में डेढ़ लाख रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल दी जा चुकी थी। परिजनों के अनुसार दुल्हन शबनम खातून देर रात तक सज-धज कर बारात का इंतजार करती रही, लेकिन बारात नहीं पहुंची। घटना के बाद लड़की पक्ष ने दूल्हा, उसके पिता और अन्य परिजनों के विरुद्ध थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक दूल्हा पक्ष की ओर से इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

सड़क दुर्घटना में दिव्यांग युवक की मौत, ट्रक की टक्कर से गई जान

बीएनएम@ बेतिया। कुमारबाग थाना क्षेत्र में बुधवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक दिव्यांग युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान चनपटिया प्रखंड के भरवाटोला गुरवलिया निवासी पतीराम महतो के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पतीराम महतो अपनी ट्राई साइकिल से बेतिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बेतिया छावनी की दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पतीराम महतो ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में उनकी ट्राई साइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक काफी तेज गति में था। टक्कर लगने के बाद पतीराम महतो सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुमारबाग थानाध्यक्ष पंकज कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पतीराम महतो को हाल ही में आयोजित एक विशेष जनकल्याण शिविर में इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई थी। वह उसी ट्राई साइकिल से अपने घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने प्रशासन से मुआवजा तथा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा दुर्घटना में शामिल ट्रक की पहचान और उसकी बरामदगी के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है। दोषी चालक के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

मशीनाडीह रेलवे ढाला के पास अज्ञात शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम@ रामगढ़वा/पलनवाः पलनवा थाना क्षेत्र के मशीनाडीह रेलवे ढाला के समीप एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बुधवार सुबह ग्रामीण जब खेतों की ओर जा रहे थे, तभी उनकी नजर शव पर पड़ी। शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा तत्काल पलनवा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया गया। पलनवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस शव की शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी हुई है तथा मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पहचान होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बगहा के छत्रौल गांव से गांजा के साथ गिरफ्तार

प्रातः आवाजः बगहाः बगहा पुलिस जिला अंतर्गत लौकरिया थाना पुलिस ने छत्रौल गांव से 405 ग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। प्रभारी थानाध्यक्ष शमीम अहमद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि छत्रौल गांव निवासी रजनी कांत पाठक अपने घर से गांजा की अवैध बिक्री कर रहा है।

एसआई मुकेश कुमार सिंह एवं एएसआई रामशंकर यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छत्रौल गांव स्थित आरोपित के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान घर में छिपाकर रखा गया 405 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही गांजा को जब्त कर लिया तथा आरोपी रजनी कांत पाठक (35 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अनुमंडल पदाधिकारी ने जनकल्याण शिविरों का किया औचक निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

बीएनएम@ अरेराज

अनुमंडल पदाधिकारी अंजली कुमारी ने क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों का सघन दौरा कर सरकारी योजनाओं और लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पहाड़पुर, संग्रामपुर एवं अरेराज प्रखंड में आयोजित 'प्रखंड सहयोग सह जनकल्याण शिविर' का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविरों में आम जनता को मिल रही सुविधाओं, आवेदनों के निष्पादन की स्थिति और विभिन्न विभागों के काउंटरों की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी ने शिविर में मौजूद कर्मियों और अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों और आवेदकों से सीधा संवाद भी किया और उनकी समस्याओं को सुना। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में आने वाले हर एक फरियादी के आवेदन को गंभीरता से लिया जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। इसके साथ ही उन्होंने सभी विभागों के समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि जनकल्याण शिविरों का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही समाधान करना है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान स्थानीय प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी और मुख्य कर्मी उपस्थित रहे।

पूर्वी चम्पारण में शराब कारोबारियों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 165.90 लीटर शराब बरामद, छह गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण जिले में शराब तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 165.90 लीटर शराब बरामद की है। इस दौरान छह शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया तथा दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं। पुलिस के अनुसार, घोड़ासहन थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 96.90 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया गया तथा शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वहीं पिपराकोठी थाना क्षेत्र में शराब के विरुद्ध चलाए गए छापेमारी अभियान के दौरान 24 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से दो शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की। दोनों आरोपितों से पूछताछ के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोटवा थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम राजापुर मठिया में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान 45 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई और तीन शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है और अवैध शराब कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शराब तस्करों पर पहाड़पुर पुलिस का शिकंजा, 24 लीटर से अधिक विदेशी शराब बरामद

बीएनएम@ पहाड़पुर

बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पहाड़पुर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 24 लीटर से अधिक विदेशी शराब बरामद की है। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले मुख्य कारोबारी मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान कुल 24.120 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की गई। बरामद शराब में ऑफिसर चॉइस ओरिजिनल व्हिस्की की 180 एमएल की 46 बोतलें, 8PM स्पेशल ब्लेंड व्हिस्की की 180 एमएल की 63 बोतलें तथा रॉयल स्टैग सुपीरियर व्हिस्की की 750 एमएल की 6 बोतलें शामिल हैं। मामले में फरार आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के पकड़िया डीह गांव निवासी देवेंद्र कुमार महतो, पिता स्वर्गीय रामनाथ महतो के रूप में की गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि बरामद शराब को विधिवत जब्त कर लिया गया है तथा फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी भी कीमत पर अवैध शराब के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हरसिद्धि में आज आयोजित होगा खरीफ महाभियान सह उपादान वितरण कार्यक्रम

बीएनएम@ हरसिद्धि

किसानों को खरीफ मौसम की कृषि योजनाओं एवं आधुनिक खेती की तकनीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से प्रखंड कृषि कार्यालय, हरसिद्धि द्वारा आज (18 जून) प्रखंड स्तरीय खरीफ महाभियान-2026 सह उपादान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11 बजे प्रखंड कृषि कार्यालय परिसर में आयोजित होगा। प्रखंड कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान किसानों को खरीफ मौसम में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं, अनुदानित कृषि उपादानों तथा विभागीय कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके उपरांत तकनीकी सत्र का आयोजन होगा, जिसमें कृषि विशेषज्ञ किसानों को उन्नत खेती, फसल प्रबंधन, बीज चयन, उर्वरक उपयोग एवं उत्पादन बढ़ाने की नवीन तकनीकों की जानकारी देंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, किसान सलाहकार समिति के सदस्यों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कृषि विभाग ने सभी किसान सलाहकारों, कृषि समन्वयकों एवं सहायक तकनीकी प्रबंधकों को अपने-अपने पंचायतों से कम से कम दस-दस प्रगतिशील किसानों को कार्यक्रम में शामिल कराने का निर्देश दिया है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद ने सांसद, विधायक, जिला परिषद सदस्यों, प्रखंड प्रमुख, उपप्रमुख, प्रशासनिक अधिकारियों, कृषि एवं संबद्ध विभागों के पदाधिकारियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों से कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। कृषि विभाग के अनुसार इस कार्यक्रम से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा खरीफ फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

बिहार में कानून का राज कायम रहेगा : संजय झा

कोचिंग विवाद पर जदयू अध्यक्ष का बड़ा बयान

बीएनएम@ पटना। राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद के बीच चल रहे विवाद को लेकर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिहार में कानून का राज है और किसी भी व्यक्ति या संस्थान को मनमानी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मीडिया से बातचीत करते हुए संजय झा ने कहा कि यदि कोई कोचिंग संचालक खुद को ताकतवर समझकर कानून से ऊपर मानने की कोशिश करेगा, तो यह बिहार में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले दो दशकों से कानून का शासन स्थापित है और आगे भी कायम रहेगा। जदयू नेता ने कोचिंग विवाद के दौरान सामने आए आरोप-प्रत्यारोप और हिंसा संबंधी बयानों पर चिंता जताते हुए कहा कि कुछ लोग ऐसा माहौल बना रहे हैं, जो शिक्षा व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।

पताही में तीन दिवसीय सहयोग शिविर आयोजित, विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने सुनीं जनसमस्याएं

बीएनएम@ पताही

प्रखंड मुख्यालय में आयोजित तीन दिवसीय सहयोग शिविर के दूसरे दिन चिरैया विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने भाग लेकर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं, सुझावों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को विधायक और अधिकारियों के समक्ष रखा। शिविर के दौरान विधायक ने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने कहा कि सहयोग शिविर सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम है। ऐसे आयोजनों से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलता है, जिससे उनके समाधान की प्रक्रिया में तेजी आती है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखना और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें और सुझाव प्राप्त हुए, जिनके निष्पादन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी भी दी। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शंकर बैठा, टुनटुन सिंह सहित जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान जनसमस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासनिक सक्रियता देखने को मिली और लोगों ने खुलकर अपनी बातें अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखीं।

रामगढ़वा में विवाहिता की संदिग्ध मौत, पति समेत पांच पर प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा थाना क्षेत्र के अर्जानगर गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मामले में मृतका के मायके पक्ष ने पति समेत ससुराल के अन्य सदस्यों पर हत्या और प्रताड़ना का आरोप लगाया है। मृतका के भाई शेख सद्दाम द्वारा पुलिस को दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद से ही उसकी बहन को ससुराल पक्ष द्वारा लगातार शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। आवेदन के अनुसार, घटना के दिन भी उसके साथ मारपीट की गई और बाद में गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। आरोप है कि घटना को आत्महत्या का रूप देने के उद्देश्य से शव को रस्सी के फंदे से लटका दिया गया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। मृतका अपने पीछे दो और तीन वर्ष की दो मासूम बेटियों को छोड़ गई है, जिनके सिर से मां का साया उठ गया है। सूचना मिलने पर रामगढ़वा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। प्रभारी थानाध्यक्ष सुमित कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष के आवेदन के आधार पर शेख इरसाद, शेख मकबूल, शेख शहजाद, शेख जवाद तथा नसीमा खातून के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की गहन जांच कर रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभिन्न कांडों में 14 अभियुक्त गिरफ्तार, हत्या के प्रयास और शराब मामलों में कार्रवाई

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण जिले में अपराध नियंत्रण एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 14 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बंजरिया थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास एवं शराब से संबंधित कांडों में कार्रवाई करते हुए कुल नौ प्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सात पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। सभी के विरुद्ध दर्ज मामलों में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। वहीं चकिया थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास, शराब तस्करी तथा वारंट से जुड़े मामलों में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपितों के विरुद्ध संबंधित मामलों में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में अपराधियों की गिरफ्तारी, वारंट निष्पादन और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आमजन की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बारिश से खिले किसानों के चेहरे, भीषण गर्मी से मिली राहत; धान के बिछड़ों को मिला नया जीवन

बीएनएम@ पताही

प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को हुई बारिश किसानों और आम लोगों के लिए राहत लेकर आई। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। वहीं तेज धूप और बढ़ते तापमान का असर खेतों में तैयार धान के बिछड़ों पर भी पड़ने लगा था। ऐसे में हुई बारिश ने किसानों की उम्मीदों को नया सहारा दिया है। बारिश के साथ ही मौसम का मिजाज बदल गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। ठंडी हवाओं और बादलों की मौजूदगी से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में दिनभर मौसम सुहावना बना रहा और लोग भी राहत महसूस करते नजर आए। जिहुली गांव के किसान निर्मल कुमार सिंह ने बताया कि लगातार पड़ रही तेज गर्मी के कारण धान के बिछड़े पीले पड़ने लगे थे, जिससे उनके खराब होने की आशंका बढ़ गई थी। उन्होंने कहा कि समय पर हुई यह वर्षा धान के बिछड़ों के लिए संजीवनी साबित होगी। बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी पहुंचेगी और पौधों की वृद्धि बेहतर होगी। साथ ही आने वाले दिनों में धान की रोपाई की तैयारियों को भी गति मिलेगी। क्षेत्र के अन्य किसानों ने भी बारिश को खेती के लिए लाभदायक बताया। उनका कहना है कि खेतों में नमी की कमी के कारण कृषि कार्य प्रभावित हो रहे थे, लेकिन वर्षा के बाद स्थिति में सुधार आया है। इससे धान के अलावा अन्य खरीफ फसलों को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। बारिश का असर केवल खेती तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि आम लोगों को भी उमस और गर्मी से राहत मिली। दिनभर ठंडी हवाओं और बादलों के कारण मौसम खुशनुमा बना रहा। लोगों ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में भी अच्छी बारिश होती रही तो खेती-किसानी के साथ-साथ जनजीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। किसानों का मानना है कि समय पर हुई यह वर्षा बेहतर मानसून और अच्छी फसल उत्पादन का संकेत है। बारिश ने जहां खेतों में नई जान फूंकी है, वहीं किसानों के चेहरों पर भी मुस्कान लौटा दी है।

भारत विरोधी रुख

यूरोपियन यूनियन और पाकिस्तान के साझा बयान में भारत के नजरिए से कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना स्पष्टतः भारत विरोधी रुख है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पिछले हफ्ते हुई चीन यात्रा के समय जारी साझा बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र हुआ। चीन ने जम्मू-कश्मीर को इतिहास से जन्मा विवाद कहा। दोनों पक्षों ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और उचित समाधान की बात कही। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों, द्विपक्षीय समझौतों, और संबंधित पक्षों की आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। स्पष्टतः यह भारत विरोधी बयान था। उचित ही भारत सरकार ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई और कश्मीर संबंधी उन टिप्पणियों को सिरे से ठुकरा दिया। बहरहाल, अब यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने पाकिस्तान के साथ अपने साझा बयान में जो कहा है, वह चीन की टिप्पणियों से भी आगे जाता मालूम पड़ा है। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काया काल्लास की इस्लामाबाद यात्रा के समय जारी वक्तव्य में कहा गया- 'पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे की जानकारी दी। ईयू ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध की जानकारी दी। दोनों पक्षों ने इन टकरावों का संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के अनुरूप बातचीत एवं कूटनीति से शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया।' स्पष्टतः इस कथन में कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना सीधे तौर पर भारत विरोधी रुख है। यहां तक कि चीन ने भी भारत- पाकिस्तान के द्विपक्षीय समझौतों का उल्लेख किया था, जबकि ईयू ने उनकी भी अनदेखी कर दी है। एक अलग टिप्पणी में काल्लास ने पाकिस्तान को महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय शक्ति बताया। पिछले कई दशकों से भारतीय विदेश नीति का एक प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के संरक्षक पाकिस्तान को अलग-थलग करना रहा है। 2008 के मुंबई हमलों के बाद इस दिशा में कई अहम कामयाबियां भी मिली थीं। मगर अब पाकिस्तान को क्यों अहमियत एवं अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता मिल रही है, यह कठिन प्रश्न हमारे सामने है। चीन और 57 सदस्यों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन का हाथ तो हमेशा पाकिस्तान की पीठ पर रहा है, मगर ईयू और अमेरिका के डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने भी उसे अहमियत दे, तो क्या इसे भारतीय विदेश नीति की कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाएगा?

स्वस्थ भारत, सशक्त भारत-स्वास्थ्य देखभाल विकास के 12 वर्ष

श्रीमती अनुप्रिया पटेल

बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली से आर्थिक उत्पादकता बढ़ती है, कार्यबल की संख्या में बढ़ोतरी होती है और विकास दीर्घावधि तक होता है। इसलिए, अच्छी सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा संकेत है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति भी है। यह वह आधार है, जिस पर मानवीय क्षमता का निर्माण होता है और देश की ताकत मापी जाती है। इसलिए, बेहतर सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति है और इसमें लगाया गया हर रुपया देश के लोगों में किया गया निवेश है। इस तरह, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी), यानी यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, बिना किसी आर्थिक परेशानी के, जब और जहाँ जरूरत हो, अच्छी गुणवत्ता की सभी जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल कर सकें। यह न केवल 2030 तक हासिल किया जाने वालासतत् विकास का लक्ष्य है, बल्किसेहत से जुड़ी एक प्राथमिकता भी है। भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (एनएचपी 2017), सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और एसडीजी 3 को हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप है और यह एक सरल लेकिन मजबूत सोच पर आधारित है -स्वास्थ्य सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुँच होनी चाहिए। इसके चार स्तंभ, किफायती होना, पहुँच, गुणवत्ता और उपलब्धता , उस सोच को वास्तविकता में बदलते हैं और जीवन के सभी चरणों में देखभाल की एक व्यापक व्यवस्था को मजबूत करते हैं। लक्ष्यों के अनुरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राज्यों को स्वास्थ्य प्रणाली का एक एकीकृत तीन-स्तरीय मॉडल प्रदान करने में मदद करता है, जिसमें ग्रामीण और शहरी इलाकों (कमजोर वर्गों सहित) के बीच दोतरफा रेफरल लिंक शामिल है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) प्राथमिक स्तर पर बीमारी से बचाव, सेहत को बढ़ावा देने, इलाज, पुनर्वास और प्रशामक देखभाल जैसी व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं। ईसंजीवनी टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म इन एएएम के जरिए समुदाय को विशेषज्ञों से जोड़कर विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। साथ ही, एक खास टेली-मानस प्लेटफ़ॉर्म भी है, जिसने अब तक कुल 38.93 लाख लोगों तक पहुँच बनाई है।

एएएम से जुड़े द्वितीय स्तर के केंद्र जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी)/प्रथम रेफरल इकाई (एफआरयू) और जिला अस्पताल (डीएच) होते हैं, जो विशेषज्ञ के समक्ष इलाज और अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के लिए रेफरल का पहला जरिया होते हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेज जैसे तृतीयक संस्थान सबसे ऊपर होते हैं और ज्यादा जटिल व सुपर-स्पेशलिस्ट सेवाओं की जरूरतें पूरी करते हैं। इस तीन-स्तरीय प्रणाली को सरकारी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी का समर्थन प्राप्त है। पिछले दशक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पर होने वाला खर्च 168% बढ़ गया है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर का सफ़र व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और प्रतिक्रियात्मक कार्यवाही से समस्या होने से पहले ही ध्यान रखने वाली देखभाल की ओर जरूरी बदलाव को दिखाता है। व्यापक स्वास्थ्य पैकेजों की संख्या 6 से बढ़ाकर 12 करना, भारत की बदलती आबादी और बीमारियों के बदलते पैटर्न के हिसाब से उठाया गया एक जरूरी कदम है। बढ़ती उम्र की आबादी और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते मामलों की दोहरी चुनौतियों का सामना करते हुए, इसके दायरे में गैर-संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, बुजुर्गों की देखभाल, आपातकालीन सेवाएँ, आँख, कान-नाक-गला (ईएनटी) और मुँह की सेहत के साथ-साथ योग और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं। यह सब उस आबादी की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो भारत अब बन रहा है।

मई 2026 तक, देश भर में 1.8 लाख से ज़्यादा एएएम काम कर रहे हैं, ताकि लोगों को उनके घर के पास स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। इस विस्तार का असर एएएम में 120 करोड़ से ज़्यादा ओपीडी परामर्श, 70 करोड़ से ज़्यादा ईसंजीवनी टेली-परामर्श और अच्छी सेहत व कल्याण को बढ़ावा देने वाले 46.1 करोड़ से ज़्यादा वेलनेस सत्रों में साफ़ दिखता है। प्राथमिक देखभाल स्तर पर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन और आम कैंसर (जैसे ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर) के लिए आबादी-आधारित स्क्रीनिंग 30 साल से ज़्यादा उम्र के सभी वयस्कों के लिए की जाती है, जिससे बीमारी का जल्दी पता लगाना एक सामान्य प्रक्रिया बन जाती है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत सेवा वितरण का एक अहम हिस्सा है, जो एनसीडी की रोकथाम को व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में शामिल करती है। एनसीडी सेवाओं का विस्तार बीमारी का जल्दी पता लगाने, रोकथाम, प्रबंधन और इलाज के लिए एक बहु स्तरीय प्रयास है। समर्पित एनसीडी क्लीनिक, डे-केयर कैंसर केंद्र , तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्र और राज्य कैंसर संस्थान, उन्नत ऑन्कोलॉजी सेवाओं को विकेंद्रीकृत करते हैं और विशेषज्ञ देखभाल को मरीज के करीब लाते हैं।

साथ ही, बचाव से जुड़ी गतिविधियों के लिए होल-ऑफ़-गवर्नमेंट दृष्टिकोण अपनाया जाता है। एफएसएसएआई स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देता है, फिट इंडिया मूवमेंट शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है और आयुष मंत्रालय योग और कल्याण को आगे बढ़ाता है। लगातार चलने वाले जन-जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य दिवस मनाने जैसे कार्यक्रम इन प्रयासों को और मज़बूत करते हैं। खाने के तेल की खपत को 10% कम करने की प्रधानमंत्री मोदी की निजी अपील एक सरल लेकिन दमदार सोच को जाहिर करती है कि एनसीडी के ख़िलाफ़ लड़ाई अस्पतालों के साथ-साथ घरों में भी जीती जाती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के विस्तार के लिए, एएएम स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य ऑफिसर्स का एक नया कैडर शुरू किया गया, जिससे क्लिनिकल और जन स्वास्थ्य से जुड़ी विशेषज्ञता समुदायों के और करीब आ गई। यह विस्तार लोगों के घर-द्वार तक भी पहुँचा, जहाँ फ्रंटलाइन नेटवर्क बढ़कर 10 लाख से ज़्यादा आशा (आशा) कार्यकर्ताओं तक पहुँच गया, जिन्होंने समुदाय को स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ा। विस्तार के साथ-साथ, भारत ने देखभाल के मापदंडों को बदलने की ज़्यादा मुश्किल चुनौती भी स्वीकार की। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक, जो देश में ही विकसित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणीकृत हैं, ने गुणवत्ता को सिफ़र् एक इच्छा से बदलकर एक जवाबदेही बना दिया। 65,000 से ज़्यादा जन स्वास्थ्य केंद्र, जिनमें 54,926 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शामिल हैं, अब एनक्यूएएस द्वारा प्रमाणीकृत हैं। इसके अलावा, आईपीएचएल के लिए लैब मानकों ने व्यवस्था में और मज़बूती और सटीकता लाई है। एनक्यूएएस की सफलता का राज़ सिफ़र् मानदंड नहीं, बल्कि उसके आस-पास बनी व्यवस्था था, जैसे माँ और नवजात शिशु की देखभाल के लिए लक्ष्य, साफ़-सफ़ाई और संक्रमण नियंत्रण के लिए कायाकल्प और बच्चों की सेहत के लिए मुस्कान। इन सभी ने मिलकर गुणवत्ता को सिफ़र् एक मानक के बजाय एक आधारभूत स्तर बना दिया है। नतीजा यह है कि अब ऐसी व्यवस्था तैयार हुई है, जिसमें न सिफ़र् ज़्यादा लोगों का इलाज होता है, बल्कि बेहतर इलाज भी किया जाता है।

अगर प्राथमिक देखभाल व्यवस्था का पहला वादा है, तो राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम जैसे खास कार्यक्रम देश भर में ओओपीई को कम करने के सरकार के संकल्प को और दिखाते हैं। इससे उन परिवारों की कुल मिलाकर 10,102 करोड़ रुपये से ज़्यादा की बचत हुई है, जिन्हें वरना यह बोझ अकेले उठाना पड़ता। लोगों की सेहत की ज़िम्मेदारी लोगों को ही सौंपते हुए, भारत ने अपने सामुदायिक मंचों को मज़बूत किया है। यह एक सोच-समझकर बनाया गया, विकेंद्रीकृत ढांचा है, जो योजनाकृत, निगरानी और जवाबदेही को स्थानीय लोगों के हाथों में सौंपता है। विलेज हेल्थ, सैनिटेशन एंड न्यूट्रिशन कमिटीज़ (वीएचएसएनसी), जन आरोग्य समितियां (जेएएस) और रोगी कल्याण समितियां (आरकेएस) ने पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय भागीदार बनाया है। शहरी इलाकों में, महिला आरोग्य समितियां (एमएएस) पारदर्शिता, जवाबदेही और भरोसेमंद प्रतिक्रिया के लिए समुदाय की आवाज़ को अहमियत देते हुए, महिलाओं को सामुदायिक आउटरीच के केंद्र में रखकर इस फ़ोकस को और गहरा करती हैं। वास्तविक स्वास्थ्य सुरक्षा का अर्थ है आज के खतरों के साथ-साथ कल के खतरों के लिए भी तैयार रहना। 2021 में 64,180 करोड़ रुपये के बजट के साथ शुरू की गई पीएम-एबीएचआईएम योजना सीधे तौर पर कोविड-19 से मिले सबक पर आधारित है, जैसे कि अचानक बढ़ने वाली ज़रूरतों को पूरा करने की क्षमता बनाना, लेबोरेटरी नेटवर्क को मज़बूत करना, बीमारियों की वास्तविक समय में निगरानी का दायरा बढ़ाना और वन हेल्थ शोध ढ़ांचा विकसित करना। असल में, यह मुश्किल समय से मिले सबक को एक मज़बूत जन स्वास्थ्य प्रणाली में बदलने का काम है।

जब बीमारी के लिए अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत पड़ती है, तो आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई आर्थिक मदद प्रदान करता है, जिससे इलाज का खर्च परिवार के लिए भारी बोझ नहीं बनता।

(लेखक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री हैं)

आईआईटी की दहलीज पर बेटियों की रिकॉर्ड दस्तक

-प्रतिभा कुशवाहा

हाल ही में जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में लड़कियों की शानदार सफलता की जो खबरें आईं हैं, उसने एसटीईएम (स्टेम) यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं के भविष्य की तस्वीर साफ होने लगी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आधी आबादी के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। देश में इंजीनियरिंग यानी आईआईटी में शिक्षा एक पुरूष प्रधान क्षेत्र बना हुआ है। हमारे घरों में जो बच्चियों की शिक्षा को लेकर मुखर हैं, वे भी अपने बेटों को इंजीनियर और बेटियों को डाक्टर बनाना पहली प्राथमिकता में रखते हैं। फिर भी यह सफलता हमारे घरों की बदलती सोच और आर्थिक व्यवस्था के कुछ सुराग तो दे ही रहा है।

चार जून को प्रकाशित हुए अखबारों में प्रमुख रूप से इस खबर को प्रकाशित किया कि इस बार जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में पहली बार लगभग 10,000 लड़कियों ने पास की है। इस परीक्षा में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए जिनमें से 10,107 सफल लड़कियां शामिल हैं। इन आकड़ों में लगभग चार अभ्यर्थियों में से एक अभ्यर्थी लड़की है। यह ऐतिहासिक सफलता केवल परीक्षा परिणामों का आंकड़ा मात्र नहीं है, वरन हमारे समाज में शिक्षा, अवसर और लैंगिक समानता के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। यह सफलता महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में एक 'पुश' के तौर पर देखा जा रहा है। आज एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और नई तकनीकों ने पूरे समाज, संस्कृति और अर्थिकीय को अपने आगोश में ले रखा है, इससे आधी आबादी का दूर रहना एक बहुत बड़े सामाजिक असंतुलन के रूप में सामने आ सकता है। ऐसे में जेईई एडवांस्ड-2026 के परिणाम भविष्य में देश की नई तस्वीर का निर्माण कर सकते हैं। हालांकि अभी भी शीर्ष रैंकों और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। मात्र इस तरह की और भी सफलताओं से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। महिलाओं के जीवन में इतने पड़ाव आते हैं कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में पढ़ने-लिखने के बाद भी अपना योगदान देने से वे वंचित रह जाती हैं। आर्थिक तौर पर यह पढ़ाई महंगी होती है, देश इन क्षेत्रों में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई तरह की आर्थिक सहायता भी देता है। अगर कार्यक्षेत्र तक महिलाएं आगे नहीं आ सकेगी, तो नुकसान हमारे समाज और देश का ही ज्यादा होगा। जनवरी, 2026 को राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार देश में उच्च शिक्षा स्तर स्टेम विषयों में महिलाओं की कुल हिस्सेदारी 43 फीसदी है। इसी तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अनुसंधान और विकास सांख्यिकी रिपोर्ट-2023 के अनुसार देश में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में स्टेम पेशेवरों के रूप में कुल महिला कार्यबल की हिस्सेदारी 18.6 फीसदी है। इनमें से 45.8 फीसदी सरकारी संस्थानों में, 27.6 फीसदी उच्च शिक्षा क्षेत्र में और 26.5 फीसदी औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। इन आंकड़ों से भी पता चल रहा है कि जितनी महिलाएं स्टेम विषयों को लेकर अपना करियर बनाने का पथ चुन रही हैं, उतनी महिलाओं कार्यक्षेत्र तक नहीं पहुंच पा रही हैं।

यूनेस्को का अपनी रिपोर्ट में मानना है कि भारत में एसटीईएम ग्रेजुएट में महिलाओं की भागीदारी 43 फीसदी है, जबकि इन क्षेत्रों में उनकी नौकरियों में भागीदारी मात्र 14 फीसदी है। तो प्रश्न उठता है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ी हुई महिलाएं गुम कहां हो जाती हैं? क्या समाज और संस्कृति की गहरी जड़ें जमा चुकी परंपराएं और मान्यतागत भेदभाव कहीं न कहीं इन क्षेत्रों में महिलाओं के रोजगार में बाधा बन जाते हैं। पारंपरिक जेंडर भूमिकाएं इस क्षेत्र में करियर बना रही महिलाओं को बहुत हद तक हतोत्साहित करते हैं, क्योंकि यह क्षेत्र महिलाओं से अधिक समय और प्रतिबद्धता की मांग करता है। कई परिवार चाहते हैं कि उनकी बहु और बेटी इस क्षेत्र में पढ़े तो, पर रिसर्च की जगह वह टीचिंग जैसा स्थिर और स्मूथ करियर ऑप्शन चुनें। जेंडर सेंसटिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी भी कार्यस्थल पर महिलाओं को यह क्षेत्र छोड़ने पर मजबूर कर देती हैं। यही स्टीरियोटाइप सोच इंजीनियरिंग और फिजिक्स को पुरुष प्रधान क्षेत्र बना देती है।

सिस्टम में इतने लूपहोल होने के बावजूद यदि इन क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता की बात की जाए, तो 2013 का मंगल मिशन और 2019 का चंद्रयान-2 मिशन अपनी एक अलग ही ऐतिहासिक उपलब्धि से हमें गौरवान्वित करता है। चंद्रयान-2 मिशन की कमान संभालने वाली दो महिला वैज्ञानिक ऋतु करीधल और एम. वनिता को कौन भूल सकता है। इसरो की वैज्ञानिक ऋतु करीधल चंद्रयान-2 मिशन की डायरेक्टर थीं और एम. वनीता इस मिशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर। इनकी अथक मेहनत का फल है कि आज देश अंतरिक्ष क्षेत्र में इतनी बड़ी उपलब्धि को सेलिब्रेट कर सका। इससे पहले 2013 में मंगल मिशन की सफलता का जश्न देश मना चुका है। इस मिशन में आठ महिला वैज्ञानिकों ने अपनी खास भूमिका निभाई थी। इस विषय को आधार बनाकर एक फिल्म 'मिशन मंगल' भी बन चुकी है।

चंद्रयान-2 मिशन में इन दो महिला वैज्ञानिक के अलावा और भी महिला वैज्ञानिकों का साथ मिला। इस प्रोजेक्ट में 30 फीसदी महिला वैज्ञानिकों की अथक परिश्रम शामिल है। चंद्रयान-2 मिशन में मौमिता दत्ता, नंदिनी हरिनाथ, एन. वलारमथी, मीनल संपथ, कीर्ति फौजदार और टेसी थॉमस जैसी दूसरी महिला वैज्ञानिक शामिल हैं। इस उपलब्धि को बांटते हुए इसरो के चेयरमैन के. सिवन ने उस समय मीडिया से कहा था कि हम पुरुष और महिला वैज्ञानिकों में अंतर नहीं समझते हैं। जो भी सक्षम होता है, उसे बेहतरीन काम सौंपा जाता है। यहीं सवाल उठता है तो फिर महिलाओं की इस सक्षमता को 'ब्रेक' कौन लगा जाता है?

(लेखिका, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

भारत की जैव-विविधताः प्रतिबद्धताएँ और उपलब्धियाँ

संजय गोस्वामी

कानूनी ढांचे से लेकर स्थानीय कार्रवाई तक

भारत की जैव विविधता का संचालन त्रि स्तरीय संरचना पर आधारित है। इसके तहत यह संरचना जैव विविधता की राष्ट्रीय नीति को राज्य स्तरीय कार्रवाई और स्थानीय स्तर के क्रियान्वयन से जोड़ती है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है जबकि राज्य जैव विविधता बोर्ड और केंद्र शासित प्रदेशों में गठित जैव विविधता परिषद प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर इन्हें निर्देशित करते है। स्थानीय स्तर पर ग्रामीण और शहरी निकायों में गठित जैव विविधता प्रबंधन कमेटियां लोगों की जैव विविधता रजिस्टर तैयार करती है और सामुदायिक स्तर पर संरक्षण को बढ़ावा देती है। भारत में अभी तक करीब 276653 जैव विविधता कमेटियों का गठन हुआ है.और करीब 272648 जैव विविधता रजिस्टर निर्मित किये गए है जिनमें समूचे देश की अनेक स्थानीय प्रजातियों, पारिस्थितिकी और परंपरागत ज्ञान का दत्तावेजीकरण किया गया है। कुल मिलाकर ये संस्थाएं और इनकी कार्य प्रक्रियाएं हमें वैश्विक स्तर की जैव विविधता के पारिस्थितिकी संतुलन से तालमेल बिठाने में मदद करती है।

एक लचीले भविष्य के लिए प्राकृतिक पूंजी का संरक्षण जैव-विविधता भारत की पर्यावरणीय और विकास प्राथमिकताओं का केंद्र है। यह खाद्य सुरक्षा, आजीविका, जलवायु लचीलापन और पारिस्थितिक संतुलन का समर्थन करती है। भारत के वन, आर्द्रभूमि, पर्वत, समुद्री तट, मरुस्थल, घास के मैदान और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र विविध प्रजातियों और समुदायों को बनाए रखते हैं। लाखों स्थानीय समुदाय दैनिक जीवन के लिए इन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। भारत नीतियों, संस्थाओं और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से वैश्विक ढांचों के अनुरूप अपनी प्राकृतिक पूंजी और जैव-विविधता प्रतिबद्धताओं को बनाए रखता रहता है। इन प्रयासों के माध्यम से भारत वैश्विक जैव-विविधता लक्ष्यों में योगदान देता है और राष्ट्रीय व स्थानीय स्तरों पर संरक्षण को मजबूत करता है। भारत का दृष्टिकोण स्थानीय प्रबंधन पर जोर देता है, क्योंकि यह माना जाता है कि समुदाय-नीत कार्रवाई व्यापक जैव-विविधता परिणामों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। पिछले दशक में, भारत ने वैज्ञानिक प्रबंधन, आवास पुनर्स्थापना, प्रजाति पुनर्वास कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी को मिलाकर जैव-विविधता संरक्षण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है। संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार, वन्यजीव मॉनिटरिंग को मजबूत करना, अवक्षरित पारिस्थितिकी तंत्रों का पुनर्स्थापन और जैविक संसाधनों के स्थायी उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों ने पारिस्थितिक लचीलापन बढ़ाया है, स्थानीय आजीविका का समर्थन किया है और जैव-विविधता संरक्षण में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। संरक्षण लक्ष्यों को स्थायी विकास उद्देश्यों के साथ संरेखित करके, भारत भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपने प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित करने और समावेशी व पर्यावरण-जिम्मेदार विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है।

जैव-विविधता को समझना और उसका महत्व

जैव-विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता को संदर्भित करती है, जिसमें पौधे, जानवर, सूक्ष्मजीव और वे पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं जो इसे बनाते हैं। यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और परागण, मृदा निर्माण, पोषक चक्र, जल शुद्धिकरण और जलवायु नियमन जैसे प्रमुख पारिस्थितिकी सेवाओं का समर्थन करती है। जैव-विविधता प्राकृतिक तंत्रों को बनाए रखती है जो जीवन को संभव और उत्पादक बनाते हैं। जैव-विविधता पर्यावरण और मानव समाजों दोनों के स्वास्थ्य के लिए केंद्रित है। व्यावहारिक रूप से, जैव-विविधता वही है जो पारिस्थितिकी तंत्रों को कार्यशील, लचीला और लोगों का समर्थन करने योग्य बनाती है। जैव-विविधता की रक्षा केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि भारत जैसा पारिस्थितिक रूप से विविध देश के लिए एक विकास प्राथमिकता भी है।

क्या आप जानते हैं ?: जीन को वंशागति की मूल इकाई माना जाता है। जीन माता-पिता से संतान को संप्रेषित होते हैं और भौतिक व जैविक लक्षणों को निर्दिष्ट करने के लिए आवश्यक जानकारी रखते हैं। उदाहरण के लिए, रेड एप्पल, ग्रैनी स्मिथ एप्पल और गोल्डन एप्पल सेब के विभिन्न सांख्यिकीय भिन्न हैं। वहीं, प्रजाति एक जीवों का समूह है जो सफलतापूर्वक प्रजनन करके प्रजनन क्षमता वाली संतति उत्पन्न कर सकते हैं। यह प्रजाति परिभाषा प्रजनन के आधार पर जानवरों, पौधों और जीवन के अन्य रूपों को समूहों में विभाजित करती है। उदाहरण के लिए, बाघ, शेर और गैंडा अलग-अलग जानवर प्रजातियाँ हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र एक भौगोलिक क्षेत्र है जहाँ पौधे, जानवर और अन्य जीव, तथा मौसम और परिदृश्य मिलकर जीवन बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में जीवित कारक और अजीव कारक दोनों होते हैं। जीवित कारकों में पौधे, जानवर और अन्य जीव शामिल हैं। अजीव कारकों में चट्टानें, तापमान और आर्द्रता शामिल हैं।

भारत का जैव-विविधता ढांचाः भारत का जैव-विविधता ढांचा संरक्षण और स्थायी उपयोग के लिए कानूनों, नीतियों, संस्थाओं और कार्यक्रमों को मिलाता है। यह न्यायसंगत लाभ साझाकरण को भी बढ़ावा देता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को वैश्विक जैव-विविधता प्रतिबद्धताओं के साथ संरेखित करता है।

जैव-विविधता अधिनियम, 2002 (2023 में संशोधित): जैव-विविधता अधिनियम, 2002 भारत का प्राथमिक कानूनी ढांचा है जो जैव-विविधता के संरक्षण, स्थायी उपयोग और न्यायसंगत लाभ साझाकरण के लिए है। यह राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर जैव-विविधता शासन के लिए सांविधानिक आधार प्रदान करता है। यह कानून जैविक संसाधनों और संबंधित पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण और संरक्षण का भी समर्थन करता है। यह पहुंच और लाभ साझाकरण के लिए भी प्रावधान करता है, जिससे सुनिश्चित होता है कि जैविक संसाधनों के उपयोग को ऐसे संसाधनों के प्रदाताओं के लिए न्यायसंगत वापसी से जोड़ा जाए।

क्या आप जानते हैं?: व्यावहारिक रूप से, भारत के ढांचे के तहत, पारंपरिक ज्ञान जैविक संसाधनों और उनके उपयोग (खाद्य, आयुर्वेद, कृषि, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अभ्यासों) के बारे में समुदाय-रखी गई ज्ञान को कवर करता है, जो पीढ़ियों से संप्रेषित होता है और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्रों और प्रथागत अभ्यासों के साथ निकटता से जुड़ा होता है। जैव-विविधता (संशोधन) अधिनियम, 2023 ने इस ढांचे को और मजबूत किया है, जिससे कार्यान्वयन अधिक सुविधाजनक और वर्तमान जरूरतों के अनुरूप हो गया है। यह शोध, नवाचार और पारंपरिक ज्ञान-आधारित अभ्यासों का समर्थन करता है और अनुपालन और शासन कुशलता में सुधार करता है। संशोधन सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय जैव-विविधता दस्तावेजीकरण को भी मजबूत करता है, जो प्रभावी संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं। कुल मिलकर, अधिनियम और उसका संशोधन भारत के जैव-विविधता संरक्षण प्रयासों के लिए एक संतुलित कानूनी आधार प्रदान करते हैं:

तीन-स्तरीय शासन संरचनाः जैव-विविधता अधिनियम, 2002, एक 3-स्तरीय शासन संरचना के लिए प्रावधान करता है। राष्ट्रीय स्तर पर, राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण संरक्षण, स्थायी उपयोग और लाभ साझाकरण पर सलाह देता है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर, राज्य जैव-विविधता बोर्ड और संघ राज्य क्षेत्र जैव-विविधता परिषदें इन प्राथमिकताओं को क्षेत्रीय जरूरतों के अनुकूल बनाते हैं। स्थानीय स्तर पर, जैव-विविधता प्रबंधन समितियां जनता के जैव-विविधता रजिस्टर तैयार करती हैं और सामुदायिक कार्रवाई का समर्थन करती हैं। यह संरचना वैश्विक और राष्ट्रीय जैव-विविधता लक्ष्यों को गांवों, कस्बों और शहरों तक ले जाने में मदद करती है।

जैव-विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 39ः धारा 39 केंद्र सरकार को विभिन्न श्रेणियों के जैविक संसाधनों के लिए संस्थानों को भंडारण के रूप में नियुक्त करने का अधिकार देती है।

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा। छात्रों को आज किसी प्रैक्टिकल में सहपाठी की मदद मिलेगी, कार्य में आसानी होगी। राजनीति से जुड़े लोगों का पद बढ़ेगा, लोग आपका सपोर्ट करेंगे। आज आपका स्वास्थ अच्छा रहेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारियों का कारोबार तेजी से आगे बढ़ेगा। शुभ अंक - 2

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर के किसी काम को लेकर आप कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं। संतान की ओर से आपको अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। पसंदीदा खाना खाने के लिए आप कोई अच्छी डिश आर्डर कर सकते हैं। शुभ अंक - 8

मिथुन राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी ट्रिप पर जायेंगे, जहां खूब इंजॉय करेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को सफलता मिलती रहेगी। दाम्पत्य जीवन में चल रही नोक झोंक ख़त्म होगी, जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत बनेगा। वाहन खरीदने का विचार भाई से करेंगे, लाभदायक जानकारी मिलेगी। शुभ अंक - 5

कर्क राशिः आज आपका दिन मिला जुला रहने वाला है। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे। प्रतियोगी परीक्षा के लिये प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा। स्वास्थ सम्बन्धी समस्या से आज आपको आराम मिलेगा। ऑफिस में कोई नया टारगेट मिलने से मन प्रसन्न रहने वाला है। राजनीतिक पक्ष में आपकी रुचि बढ़ेगी, लोग आपके कामों की तारीफ़ करेंगे। शुभ अंक - 3

सिंह राशिः आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए खुशियां लेकर आया है। आज आपको शुभ सन्देश मिल सकता है परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा। कामकाज के मामले में परिस्थिति बेहतर रहेगी। आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं, इससे आपके रिश्ते की मजबूती बरकरार रहेगी। शुभ अंक - 5

कन्या राशिः आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कुछ नया करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं काम करने में आसानी होगी। कोई भी काम करने से पहले उसकी रूपरेखा जरूर बना लें। अपने आप पर विश्वास रखें। शाम को बच्चों के साथ समय बिताने पर आप राहत महसूस करेंगे। प्रॉपर्टी के लिये आपको कोई अच्छी डील मिल सकती है। उधार के लेन देन से बचें। शुभ अंक - 2

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज किसी बात को सोचकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन बौद्धिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अफसरों के साथ सद्भाव बनाकर रखेंगे। आपको तरक्की के मौके मिलेंगे । आप अपनी कड़ी मेहनत और सकारात्मक व्यवहार के जरिए कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलेंगे। पैसों के लेन-देन में थोड़ा सतर्क रहें। शुभ अंक - 2

वृश्चिक राशिः आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं। बिजनेस करने वालों को किसी अच्छी कंपनी से जुड़कर बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा मौका मिलेगा। बिजनेस से रिलेटेड यात्रा करनी पड़ेगी। आप कुछ अनुभवी लोगों से मिलेंगे। जिससे आपको आगे चलकर लाभ मिलेगा। शुभ अंक - 9

धनु राशिः आज आपके लिए दिन पाज़िटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे। आपके लिए पदोन्नति के आसार हैं । आपका वेतन भी बढ़ सकता है। कार्यस्थल पर समझदारी पूर्वक लिए गए फैसले आपको बेहतर परिणाम देंगे। आपके कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग आपको आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इस दौरान कार्यस्थल पर बाहर का खाना खाने से बचें। शुभ अंक - 2

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे। किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। शुभ अंक - 1

कुंभ राशिः आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक शाम का प्रोग्राम बन सकता है। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। आप जितनी मेहनत करेंगे आपको उतने ही बढ़िया नतीजे भी मिलेंगे। शुभ अंक - 3

मीन राशिः आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढेगा। किसी योजना को शुरू करने के लिए आज का दिन आपके लिए अच्छा है भविष्य में आपको काफी लाभ मिलेगा। घर में बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद आपको मिलेगा। शुभ अंक - 7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित, अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की वापसी

एजेंसी, एंटीगा

श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की चोट के बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज जोशुआ डा सिल्वा और अमीर जंगू को भी दोबारा मौका मिला है। अल्जारी और शमार पिछले वर्ष भारत और न्यूजीलैंड दौरे के दौरान चोट के कारण टीम से बाहर थे। दोनों ने आखिरी बार 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मुकाबला खेला था। उनकी वापसी से वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है, जिसमें केमार रोच और जेडन सील्स भी शामिल हैं। विकेटकीपर की भूमिका में जोशुआ डा सिल्वा की वापसी हुई है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने हालिया वेस्टइंडीज

चैम्पियनशिप में सात पारियों में 413 रन बनाए और प्रतियोगिता के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। वहीं पिछले दौरे में विकेटकीपिंग करने वाले तेविन इमलाच को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ 18 से 21 जून तक होने वाले चार दिवसीय अभ्यास मैच के लिए वेस्टइंडीज चयन एकादश का कप्तान बनाया गया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अमीर जंगू भी लंबे समय बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। उन्होंने घरेलू सत्र में सात पारियों में 411 रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि हर टेस्ट सीरीज टीम के लिए अपनी पहचान मजबूत करने और बेहतर बनने का अवसर होती है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका मजबूत टीम है और वेस्टइंडीज को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी ने बताया कि खिलाड़ी 12 जून से एंटीगा में चल रहे उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रहे हैं, जिससे टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने का अवसर मिल रहा है। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है, जिसमें वेस्टइंडीज फिलहाल नौवें स्थान पर है। पहला टेस्ट 25 से 29 जून और दूसरा टेस्ट 3 से 7 जुलाई तक नॉर्थ साउंड में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज टेस्ट टीमः रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उपकप्तान), जॉन कैम्पबेल, टैगेनरीन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, अमीर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, केमार रोच और जेडन सील्स।

न्यूजीलैंड ने 2026-27 केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, डेवन कॉनवे की वापसी

एजेंसी, वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने 2026-27 सत्र के लिए बुधवार को अपनी केंद्रीय अनुबंध सूची घोषित कर दी है। इस सूची में सलामी बल्लेबाज डेवन कॉनवे की वापसी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को भी दोबारा अनुबंध मिला है। वहीं आदित्य अशोक और मोहम्मद अब्बास इस बार सूची से बाहर हो गए हैं। डेवन कॉनवे पिछले दो वर्षों से दुनिया भर की टी-20 लीगों में व्यस्त रहने के कारण न्यूजीलैंड बोर्ड के साथ केवल सीमित समझौते के तहत जुड़े हुए थे। हालांकि अब उन्होंने अगस्त 2026

से जुलाई 2027 तक राष्ट्रीय टीम के सभी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध करा दिया है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि कॉनवे लंबे समय से तीनों प्रारूपों में टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और उनकी वापसी ऐसे समय में हुई है जब टीम को बड़े बदलावों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से केन विलियमसन के हालिया संन्यास के बाद कॉनवे का अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दूसरी ओर तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर ने घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया। आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में उनके पांच विकेट भी चयन का बड़ा आधार बने। पिछले सत्र में केंद्रीय अनुबंध पाने वाले जैक फॉल्क्स और मिच हे ने भी अपना स्थान बरकरार रखा है। एनजेडसी ने यह भी स्पष्ट किया कि माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमैन ने टेस्ट क्रिकेट अनुबंध रैंकिंग में शामिल नहीं होने का अनुरोध किया है। दोनों खिलाड़ी अब केवल सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ के रूप में केंद्रीय अनुबंध सूची में रहेंगे। बोर्ड ने बताया कि आने वाले सप्ताहों में सीमित अनुबंध (कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट) की भी घोषणा की जाएगी, जिसमें फिन एलेन, लॉकी फर्ग्यूसन और टिम सिफर्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

मुंबई में 'साइक्लिंग बाय द सी' के साथ हुआ फिट इंडिया साइक्लोथॉन, केंद्रीय खेलमंत्री ने किया नेतृत्व

एजेंसी, मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया विजन को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को मुंबई के वर्ली कोस्टल साइकिल ट्रैक पर फिट इंडिया साइक्लोथॉन – 'साइक्लिंग बाय द सी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया। इस आयोजन में फिटनेस प्रेमियों, साइकिल चालकों, युवाओं और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। डॉ. मांडविया ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और प्रतिभागियों के साथ साइकिल यात्रा में भी शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार फिटनेस को जन आंदोलन बनाने और सक्रिय जीवनशैली के जरिए विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ, ताहा शाह बदुशा, ऐश्वर्या राज भाखुनी तथा ओलंपियन पहलवान एवं पुलिस उपायुक्त नरसिंह यादव भी शामिल हुए और नागरिकों को फिटनेस अपनाने के लिए प्रेरित किया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार फिटनेस को विकसित भारत की आधारशिला बताते रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026ः नॉर्वे ने इराक को 4-1 से हराकर की विजयी शुरुआत

एजेंसी, बोस्टन । स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालांड के शानदार दो गोलों की बदौलत नॉर्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में मंगलवार को इराक को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। 28 वर्षों बाद विश्व कप में लौटी नॉर्वे की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पूरे अंक अपने नाम किए। मुकाबले में नॉर्वे ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई, जब हालांड ने पहला गोल दागकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इराक ने हार नहीं मानी और 39वें मिनट में अयमन हुसैन ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। लेकिन बराबरी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले इराक की रक्षा पंक्ति की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हालांड ने गलत बैकपास पर तेजी दिखाकर गेंद को जाल में पहुंचाया और नॉर्वे को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में नॉर्वे ने खेल पर पकड़ मजबूत बनाए रखी। 76वें मिनट में लियो ओस्टिगार्ड ने कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर टीम का तीसरा गोल किया। इसके बाद अतिरिक्त समय में इराक के खिलाड़ी अयमन के आत्मघाती गोल ने नॉर्वे की जीत पर मुहर लगा दी और मुकाबला 4-1 से समाप्त हुआ। इस जीत के साथ नॉर्वे ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर ग्रुप-आई में फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

फीफा विश्व कप 2026: मेसी की हैट्रिक से अर्जेंटीना की शानदार शुरुआत, अल्जीरिया को 3-0 से हराया

एजेंसी, कैन्सस सिटी

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए फीफा विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को अल्जीरिया पर 3-0 की शानदार जीत दिलाई। 38 वर्षीय मेसी ने मैच में तीन गोल दागकर न केवल टीम को जीत दिलाई, बल्कि विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। मेसी अब विश्व कप में 16 गोल के साथ जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज़े के बराबर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही मेसी विश्व कप के

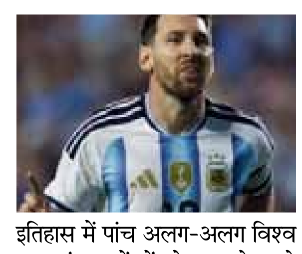

इतिहास में पांच अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि क्रिस्टियानो रोनाल्डो हासिल कर चुके हैं। अर्जेंटीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मेसी ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए अल्जीरिया की रक्षा पंक्ति को लगातार परेशान किया। उनके तीनों गोलों ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मेसी ने इस मुकाबले के साथ एक और रिकॉर्ड बनाया। वह विश्व कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए और इस मामले में उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने इस जीत के साथ अपने अभियान की दमदार शुरुआत की है और टीम ने खिताब बचाने की दिशा में मजबूत संकेत दिए हैं। अब अर्जेंटीना अपने अगले मुकाबले में इसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगा, जबकि अल्जीरिया वापसी की उम्मीद के साथ अगले मैच की तैयारी करेगा।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला लायोटेक इंडस्ट्रीज का आईपीओ, 24 जून को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

हार्डवेयर स्ट्रक्चजर और एसेसरीज का निर्माण करने वाली कंपनी लायोटेक इंडस्ट्रीज का 36.02 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 321 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। लायोटेक के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 800 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के

तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11.22 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 27 करोड़ रुपये के 8.42 लाख नए शेयर और 7 करोड़ रुपये के 2.22 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.42 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 47.41 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इस इश्यू के लिए वेल्थ माइन नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। ऐक्यम कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। लायोटेक इंडस्ट्रीज की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 35 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.93 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 4.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 5.49 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 8.50 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 27.87 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 40.69 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 51.79 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

मुंबई में कोयला और लिग्नाइट गैसीफिकेशन योजना पर कोयला मंत्रालय का तीसरा रोड शो गुरुवार को

एजेंसी, नई दिल्ली

कोयला मंत्रालय गुरुवार को मुंबई में 'सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना' पर तीसरे रोड शो का आयोजन करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योग की भागीदारी बढ़ाना और आयातित प्राकृतिक गैस तथा अमोनिया पर निर्भरता कम कर भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि इस कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विशेष अतिथि, जबकि कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे विशिष्ट अतिथि होंगे। मंत्रालय ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि नई दिल्ली और हैदराबाद में आयोजित पिछले रोड शो को मिली उत्साहजनक सराहना के बाद मुंबई रोड शो में प्रमुख उद्योग हितधारकों, निवेशकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, नीति निर्माताओं, कोयला क्षेत्र के प्रतिनिधियों, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकार के अधिकारियों के एक साथ आने की उम्मीद है, ताकि कोयला गैसीकरण के उभरते अवसरों पर विचार-विमर्श किया जा सके और कोयला संसाधनों के स्वच्छ और अधिक टिकाऊ उपयोग के राष्ट्र के दृष्टिकोण का समर्थन किया जा सके।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का आईपीओ, 19 जून तक कर सकते हैं आवेदन

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग सर्विस देने वाली कंपनी लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज का 88.51 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 19 जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद शाम तीन बजे तक इस आईपीओ को 34 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 800 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस

आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 11.22 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 27 करोड़ रुपये के 8.42 लाख नए शेयर और 7 करोड़ रुपये के 2.22 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 1.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 60.07 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 38.90 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए फिनशोर मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि इंटिग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं अनंत सिक्योरिटीज कंपनी का मार्केट मेकर है। लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 28 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.39 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में फिसल कर 16.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 14.18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 105.38 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 162.88 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 137.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

स्टॉक मार्केट में उत्कल स्पेशलिटी की निराशाजनक शुरुआत, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्राहकों की जरूरत के हिसाब से पेपर प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी उत्कल स्पेशलिटी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 66 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 66 रुपये के स्तर पर ही हुई।

लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 62.70 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को

प्रति शेयर 3.30 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। उत्कल स्पेशलिटी का 34.54 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.89 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.10 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52.34 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चेन्नई में सोने के भाव में आज 120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी आ गई है। चांदी के भाव में भी आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमी आई है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,51,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मालवाहक सेवाएं शुरू, चेन्नई से आई पहली कार्गो फ्लाइट

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्री सेवा के बाद कार्गो सेवा की शुरुआत हो गई है। उत्तर प्रदेश के जेवर में स्थित नोएडा इंटरनेशनल हवाईअड्डे पर बुधवार सुबह पहली कार्गो फ्लाइट उतरी। जेवर के नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहला मालवाहक विमान आज सुबह चेन्नई से यहां पहुंचा। हवाई अड्डे पर मालवाहक विमान पर वाटर कैनन से पानी बरसा कर उसका स्वागत किया गया। नोएडा एयरपोर्ट पर कार्गो सर्विस शुरू होने पर पश्चिमी यूपी के व्यापारियों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। इस एयरपोर्ट पर मालवाहक संचालन के लिए एफकॉम कंपनी

के साथ समझौता किया गया है। एयर इंडिया एसएटीएस एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एआईएसएटीएस) ने मालवाहक उड़ानों के लिए हवाई अड्डे पर लगभग करीब 80 एकड़ में मालवाहक केंद्र विकसित किया है। मालवाहक सेवाओं के लिए कंपनी बोइंग 737-800 के विमानों का इस्तेमाल करती है। यमुना इंटरनेशनल हवाई अड्डा प्राइवेट लिमिटेड के वाइस चेयरमैन क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि इससे क्षेत्र में संपर्क बढ़ेगा और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से वाणिज्यिक उड़ान सेवा शुरू होने के अगले दिन मंगलवार को अकासा एयर ने नोएडा से नवी मुंबई और बंगलुरू के लिए उड़ानें शुरू की हैं। एयरपोर्ट पर दूसरे दिन 12 विमान उतरे और सभी अलग-अलग शहरों के लिए उड़ान भरी।

फिल्म

फिल्म धमाल 4 से पहला गाना चटनी हुआ जारी, धमाकेदार डांस करते दिखे अरशद-रितेश

धमाल 4 का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फैंस को बस फिल्म के आने का इंतजार है। सोशल मीडिया पर हर तरफ इसके क्लिप्स दिखाई दे रहे हैं और फैंस भी खूब शेयर कर रहे हैं। इस धूम और मस्ती के बीच फिल्म का एक गाना तड़का लगाने के लिए रिलीज हो गया है। धमाल 4 का पहला गाना फुलौरी बिना चटनी कैसे बनी रिलीज हो गया है। इस गाने में शानदार बीट्स और थिरकने पर मजबूर कर देने वाले रिदम हैं, जो इसे फिल्म की हंसी-मजाक और मस्ती भरी दुनिया के लिए एकदम सही बनाते हैं। यह गाना कलाकारों की मजेदार केमिस्ट्री और धमाल फ्रैंचाइजी की खास पहचान बन चुकी मस्ती-मजाक को बखूबी दिखाता है। अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, अंजलि आनंद, अजय देवगन और रवि किशन जैसे कलाकारों वाले इस गाने में ढेर सारे मजेदार पल हैं, और रवि किशन इस जबरदस्त गाने में अपने खास भोजपुरी अंदाज का तड़का लगाते हैं। फैंस ने गाने की खूब तारीफ की है, खासकर नीलकमल सिंह की। एक ने लिखा- उस मां को कोटी कोटी नमन जिसने एसे पुत्र को जन्म दिया जिसकी आवाज पुरी दुनिया पसंद करती है। एक ने कहा- बवाल गाना है भाई। एक यूजर ने कहा- सच बताओ, गाना सुनने आए थे या फुलौरी बिना चटनी कैसे बनी वाली लाइन दिमाग में अटक गई? इस गाने को नीलकमल सिंह और ममता शर्मा ने गाया है। इसके मजेदार बोल धीरज बबुआन ने लिखे हैं और थिरकने पर मजबूर कर देने वाला संगीत नीलकमल सिंह और आदित्य देव ने तैयार किया है। इस गाने की कोरियोग्राफी राहुल शेट्टी ने की है। चटनी के बारे में बात करते हुए सिंगर नीलकमल सिंह ने कहा, फुलौरी बिना चटनी कैसे बनी एक ऐसा गाना है जो हमेशा से दर्शकों से गहराई से जुड़ा रहा है। जब हमें पता चला कि धमाल 4 बन रही है, तो हमें तुरंत लगा कि इसका जोश फिल्म के किरदारों और माहौल के साथ एकदम सही बैठेगा, क्योंकि यह गाना मजे, मस्ती और जश्न से भरपूर है। इस गाने पर काम करने में बहुत मजा आया और मुझे यकीन है कि दर्शकों को भी इसे सुनने और इस पर थिरकने में उतना ही मजा आएगा।

बॉक्स ऑफिस पर चला हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी का जादू

तीन दिनों में बजट का 75 प्रतिशत कमाया

12 जून को सिनेमाघरों में कई फिल्में रिलीज हुई थीं. इनमें एक हॉरर फिल्म भी थी. दिलचस्प बात ये कि विक्रम भट्ट निर्देशित ये हॉरर फिल्म चुपचाप बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है. इसने कंगना की भारत भाग्य विधाता, मनोज बाजपेयी की गवर्नर और दिलजीत दोसांझ की मैं वापस आऊंगा से क्लैश के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बना लिया है और इन फिल्मों को कमाई के मामले में पछाड़ दिया है. हम बात कर रहे हैं मिमोह चक्रवर्ती स्टारर फिल्म हॉन्टेड 3 डी की. चलिए यहां जानते हैं इस हॉरर फिल्म ने रिलीज के 3 दिन में अपनी कितनी लागत वसूल कर डाली है और इसे हिट होने के लिए कितना कमाना होगा. हॉन्टेड 3डीः इकोज़ ऑफ़ द पास्ट ने भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर अपने ओपनिंग वीकेंड में शानदार कमाई की है. ओपनिंग डे पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करने के बाद, फ़िल्म ने शनिवार और रविवार को भी अच्छी बढ़त दिखाई. गौरतलब है कि नेगेटिव रिव्यू मिलने के बावजूद, बॉलीवुड की इस नई रोमांटिक हॉरर थ्रिलर फ़िल्म ने वीकेंड पर दर्शकों को अपनी ओर खींचा. फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने पहले दिन 2.5 करोड़ रुपये कमाए थे. इसके बाद दूसरे दिन इसका कलेक्शन 3.25 करोड़ रुपये रहा. वहीं रविवार यानी तीसरे दिन, इसमें 10.76त्न की बढ़त देखी गई और इसने 3.6 करोड़ रुपये कमाए. कुल मिलाकर, भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इसका तीन दिनों का टोटल नेट कलेक्शन अब 9.35 करोड़ रुपये हो गया है जबकि ग्रॉस कमाई 11.03 करोड़ रुपये हुई है. बता दें कि इसकी पहली फ़िल्म, हॉन्टेड 3 डी ने अपने ओपनिंग वीकेंड में 8.5 करोड़ रुपये की नेट कमाई की थी. इसलिए, अगर तुलना की जाए, तो इसके सीक्वल ने ओपनिंग वीकेंड में 10त्न ज़्यादा कमाई की है. हॉन्टेड 3डीः इकोज़ ऑफ़ द पास्ट को 15 करोड़ रुपये के लिमिटेड बजट में बनाया हुआ बताया जा रहा है. वहीं इसने अब तक 9.35 करोड़ रुपये की नेट कमाई कर डाली है. इसी के साथ इस फिल्म ने सिर्फ 3 दिनों में अपने बजट का 62.33त्न हिस्सा वसूल लिया है. वहीं ग्रॉस कलेक्शन (11.03 करोड़) को देखें, तो फिल्म ने बजट का लगभग 73.53त्न वसूल कर लिया है. वहीं सेफ जोन में आने और 100त्न रिकवरी हासिल करने के लिए हॉन्टेड 3डीः इकोज़ ऑफ़ द पास्ट को 5.65 से 6.5 करोड़ रुपये की ज़रूरत है. 100त्न रिकवरी और कुछ मुनाफ़ा कमाने के बाद, यह रोमांटिक हॉरर थ्रिलर फ़िल्म भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर पूरी तरह सफल साबित होगी. उम्मीद है कि फिल्म ये कामयाबी पहले हफ्ते में या दूसरे वीकेंड तक हासिल कर लेगी. हॉन्टेड 3डीः इकोज़ ऑफ़ द पास्ट के डायरेक्टर विक्रम भट्ट हैं और इसे आनंद पंडित और राकेश जुनेजा ने प्रोड्यूस किया ह. इसके को-प्रोड्यूसर रूपा पंडित, राहुल वी दुबे, दिलीप एस. जायसवाल, संजय रमेश सिंह और मनीष भूषण मिश्रा हैं. यह फ़िल्म 12 जून को रिलीज़ हुई थी. इसमें मिमोह चक्रवर्ती, चेतना पांडे, श्रुति प्रकाश सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किये हैं.

महेश भट्ट ने की वीर पहाड़िया स्टारर नाम-टू लिव इज़ वॉर की आधिकारिक घोषणा

अभिनेता वीर पहाड़िया ने अपनी अगली बड़ी फिल्म नाम - टू लिव इज़ वॉर की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फिल्म को दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट प्रस्तुत कर रहे हैं। आने वाली यह फिल्म एक डार्क एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है, जिसमें वीर एक दमदार और रफ-टफ अवतार में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ मजबूत इमोशनल ड्रामा का भी मेल देखने को मिलेगा, जिससे यह वीर की बढ़ती फिल्मोग्राफी की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म को लेकर उत्साह को और बढ़ाते हुए खबर है कि अभिनेता वरुण शर्मा पहली बार अपने करियर में नेगेटिव रोल निभाते नजर आएंगे। अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और हल्के-फुल्के किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले वरुण का यह नया अवतार दर्शकों और इंडस्ट्री के बीच पहले से ही जिज्ञासा पैदा कर रहा है। फिलहाल फिल्म में वीर और वरुण के बीच टकराव को इसकी बड़ी खासियतों में से एक माना जा रहा है। गौरतलब है कि नाम - टू लिव इज़ वॉर वीर पहाड़िया की तीसरी फिल्म होगी। उन्होंने स्काई फोर्स से अपना डेब्यू किया था, जबकि उनकी दूसरी अनटाइटल्ड फिल्म इसके रिलीज़ से पहले सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है।

कभी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं निवेथा पेथुराज, 'सिंग गीतम बना करियर का टर्निंग पॉइंट

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री निवेथा पेथुराज ने बताया कि साल 2023 में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि, बाद में परिस्थितियां बदलीं और उन्हें निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव की फिल्म 'सिंग गीतम का हिस्सा बनने का अवसर मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। फिल्म 'सिंग गीतम की सफलता के बाद आयोजित थैंक्सगिविंग इवेंट में निवेथा ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब वह अभिनय की दुनिया से दूर जाना चाहती थीं। उनके अनुसार, जीवन कभी-कभी ऐसे रास्तों पर ले जाता है, जहां से उसे अपने लिए सही मंजिल का पता चलता है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने उस समय सिनेमा छोड़ने का फैसला कायम रखा होता, तो शायद आज वह इस खास फिल्म का हिस्सा नहीं बन पातीं। निवेथा ने फिल्म के निर्माता नाग अश्विन का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नाग अश्विन ने उन्हें दोबारा आत्मविश्वास दिया और अभिनय की दुनिया में लौटने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अभिनेत्री भावुक नजर आईं, उन्होंने कहा कि यदि नाग अश्विन का सहयोग नहीं मिला होता, तो वह शायद किसी शांत स्थान पर आध्यात्मिक जीवन जी रही होतीं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह एक अलग जीवन चुनने की सोच रही थीं, लेकिन अब वह पूरी ऊर्जा और विश्वास के साथ अपने करियर में वापस लौट चुकी हैं। अभिनेत्री ने फिल्म देखने के दौरान अपने भावनात्मक अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी और उसका मैसेज उन्हें बेहद प्रभावित कर गया। उनके अनुसार, यह फिल्म वर्तमान समय की कई महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरण संबंधित चुनौतियों को पेश करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि हर शिशु के जन्म पर एक पौधा लगाने की पहल की जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिल सके। निवेथा ने यह भी कहा कि उन्हें म्यूजिक बेस्ड फिल्मों और म्यूजिक इवेंट्स से खास लगाव है। उन्होंने बताया कि वह अक्सर लंदन में आयोजित म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल होती रही हैं और भारत में भी ऐसे आयोजनों की उम्मीद करती थीं। ऐसे में 'सिंग गीतम जैसी म्यूजिकल फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने निर्देशक सिंगीथम श्रीनिवास राव की भी जमकर तारीफ की। निवेथा ने उन्हें डायरेक्टर्स के डायरेक्टर बताते हुए कहा कि उनके साथ काम करना उनके करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन पर भरोसा जताने के लिए वह सभी की आभारी हैं।

हाइपरटेंशन की समस्या से राहत दिलाइगा बद्ध कोणासन, रोजाना 15 मिनट के अभ्यास से मिलेंगे कई फायदे

विश्व योग दिवस 2026 अब कुछ ही दिनों में मनाया जाने वाला है। इस खास अवसर से पहले ही भारत सरकार का आयुष मंत्रालय देशवासियों से लगातार अपील कर रहा है कि वे अपनी दिनचर्या में योगासन को शामिल करें। सही आसनों के अभ्यास से न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि मन भी प्रसन्न और शांत रहता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का प्राचीन भारतीय विज्ञान है। व्यस्त जीवनशैली, काम का दबाव और तनाव की वजह से आजकल लोग अक्सर हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे में योग विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि नियमित रूप से बद्ध कोणासन का अभ्यास करें, जो बेहद फायदेमंद है। बद्ध कोणासन को 'बाउंड एंगल पोज भी कहा जाता है। यह आसानी से किए जाने वाला प्रभावी आसन है। इसे करने के लिए जमीन पर सीधे बैठ जाएं, दोनों पैरों की एड़ियों को आपस में मिलाएं और घुटनों को बाहर की तरफ खोल लें। दोनों हाथों से पैरों की उंगलियों को पकड़ें और सीधे बैठकर गहरी सांस लें। इस आसन में कुछ देर रहने से शरीर की निचली हिस्से की मांसपेशियां एक्टिव होती हैं, रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में जमा तनाव धीरे-धीरे कम होता है। योग विशेषज्ञों का कहना है कि बद्ध कोणासन पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करता है। इससे दिल की धड़कन सामान्य रहती है, ब्लड प्रेशर नियंत्रित होता है और मन को गहरी शांति मिलती है। गहरी सांस लेते हुए इस आसन का अभ्यास करने से पूरे दिन की थकान और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। मूड अच्छा रहता है और तनाव का स्तर काफी कम हो जाता है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि योग को रोजाना सिर्फ 15 मिनट भी शामिल करने से व्यक्ति ऊर्जावान और सकारात्मक महसूस करता है। यह आसन खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लंबे समय से हाइपरटेंशन की समस्या से जूझ रहे हैं। हालांकि, किसी भी नए आसन को शुरू करने से पहले योग प्रशिक्षक से सलाह जरूर लें। मंत्रालय ने सभी नागरिकों, खासकर युवाओं, मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्गों से अनुरोध किया है कि वे इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को यादगार बनाएं और योग को जीवन का अंग बना लें।

रोजाना कहीं आने-जाने के दौरान त्वचा को प्रदूषण और टैन से बचाने के लिए असरदार तरीके

रोजाना कहीं भी आते-जाते हुए प्रदूषण और सूरज की किरणों का सामना करना पड़ता है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। प्रदूषण के कण और सूरज की किरणें त्वचा की चमक को कम कर सकती हैं और टैनिंग का कारण बन सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को इन समस्याओं से बचा सकते हैं और त्वचा की देखभाल सही तरीके से कर सकते हैं। घर से कहीं भी बाहर जाते समय हमेशा एक अच्छी गुणवत्ता वाली धूप से बचाने वाली क्रीम लगाएं, जिसे सनस्क्रीन कहा जाता है। यह आपको सूरज की किरणों से बचाएगी और टैनिंग को रोकने में मदद करेगी। इस क्रीम को हर 2-3 घंटे में फिर से लगाएं, खासकर अगर आप लंबे समय तक बाहर रह रहे हैं। ध्यान दें कि क्रीम में सूरज से बचाने की अच्छी क्षमता हो, ताकि यह दिनभर प्रभावी रहे।

चेहरे को कपड़े से ढकें: अगर संभव हो तो अपने चेहरे को एक स्कार्फ या टोपी से ढकें। यह न केवल धूप से, बल्कि प्रदूषण से भी बचाव करेगा। अगर आप सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हैं तो चेहरे पर कपड़ा या मास्क भी पहन सकते हैं, जो आपके चेहरे को ढकता है और धूल-मिट्टी को रोकता है। इसके अलावा अगर आप बाइक चलाते हैं तो हेलमेट का उपयोग करें, जिससे आपका चेहरा सुरक्षित रहेगा और प्रदूषण का असर कम होगा।

त्वचा को नमी दें : प्रदूषण आपकी त्वचा को सूखा और बेजान बना सकता है, इसलिए कहीं भी जाने से पहले एक अच्छा मॉइस्चराइजर लगाएं। यह आपकी त्वचा को नमी देगा और उसे मुलायम बनाएगा। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो हल्का जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर चुनें, जबकि सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम बेस्ड मॉइस्चराइजर बेहतर रहेगा। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहेगी, जिससे आप हर समय ताजा महसूस करेंगे।

हल्का मेकअप करें: अगर आप रोजाना कहीं भी जाएं तो भारी मेकअप करने से बचें, क्योंकि यह प्रदूषण के संपर्क में आने पर आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। हल्का और प्राकृतिक मेकअप ही करें, जैसे कि हल्की क्रीम, काजल और लिप बाम। इससे आपकी त्वचा को हवा लगने का मौका मिलेगा और वह स्वस्थ रहेगी। इसके अलावा मेकअप के उत्पादों में एसपीएफ़ हो तो ज्यादा बेहतर होगा, क्योंकि वे भी आपकी धूप से सुरक्षा कर सकेंगे।। रोजाना सुबह और रात को अपने चेहरे को साफ करें, ताकि सारी गंदगी और प्रदूषण के कण हट जाएं। हफ्ते में 2 बार हल्का स्क्रब करें, ताकि मृत त्वचा हट जाए और त्वचा ताजगी महसूस करे। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी त्वचा को प्रदूषण और टैनिंग से बचा सकते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। इससे त्वचा में एक अंदरूनी निखार आएगा और कभी भी चेहरा डल नहीं दिखेगा।

'Won't let Indus waters reach patrons of terror' Rajnath Singh's strong message to Pakistan'

New Delhi, Agency: With the Indus Waters Treaty already in abeyance, defence minister Rajnath Singh on Friday reinforced India's hardening stance towards Pakistan. He asserted that the Narendra Modi-led government would not allow the waters of the Indus river to reach what he described as the "patrons of terror." The defence minister remarks come as India continues to keep the decades-old Indus Waters Treaty in abeyance, a punitive diplomatic measure adopted in the aftermath of the Pakistan-sponsored Pahalgam terror attack last year.

Addressing an event in Hyderabad, defence minister Rajnath said the NDA government had shown through Operation Sindoor that it knows how to deal with those who do not understand the language of peace.

He strongly denounced the Congress and other opposition parties for questioning Operation Sindoor and the courage of India's armed forces. Rajnath said the government had made it clear that if terror attacks were carried out against India, Pakistan would face consequences, including on issues related to water and trade. "After the Pahalgam terror attack, by suspending the Indus Waters Treaty, we said that those whose tears have dried up should not expect water from us. We will not let the waters of the Sindhu reach the patrons of terrorists and enemies of humanity," he said. Rajnath said India has emerged as a trusted partner on the global stage and has consistently helped countries during times of crisis.

Recalling India's support to several nations during the Covid-19 pandemic, he said the country is now seen as a "vishwa bandhu" or friend of the world. At the same time, he warned that India's adversaries should remember that the country possesses not only vaccines but also BrahMos missiles.

The defence minister said India is producing goods not only for domestic use but also for global markets. He expressed confidence that the country's exports would touch $2 trillion over the next five years.

Highlighting growth in the defence sector, Rajnath said defence production currently stands at around Rs 1.5 lakh crore and is expected to rise to Rs 1.7 lakh crore soon. He added

Standard helmets & seat belts could have saved thousands of lives on roads in 2024

New Delhi, Agency: :Standard helmets and seatbelts could have saved thousands of lives in 2024. Over 40% of the 81,780 two-wheeler riders killed in road crashes could have survived had they worn good-quality helmets, while seat belts could have prevented about half of the 21,988 deaths among car occupants.

The number of fatalities have been released by the road transport ministry. As per a UN Motorcycle Helmet Study, motorcyclists are 26 times more likely to die in road crashes than drivers of cars and wearing an appropriate helmet "improves their chances of survival by 42% and helps avoid 69% of injuries to riders." Similarly, as per World Health Organisation, seat-belts are approximately 50% effective in preventing fatalities in crashes in which motorists would otherwise die.

The road transport ministry's report, which is based on data provided by state police departments, shows Tamil Nadu recorded a maximum of 7,744 deaths due to non-wearing of helmets, followed by Maharashtra (5,946) and Madhya Pradesh (5,543). In case of fatalities attributed to non-wearing of seatbelts, Uttar Pradesh reported the maximum 2,816 deaths, followed by Madhya Pradesh (1,929) and Maharashtra (1,427).

While trauma care experts agreed that proper wearing of standard helmets and seatbelts have potential of preventing a large share of road fatalities going by global experience, so far there has been no India specific study. "The are multiple reasons for crashes. There have been several instances of limb loss because of rash driving by two-wheeler drivers. We can get the exact cause of crashes and fatalities when every hospital has a trauma registry. The work has started after a recent Supreme Court order," said a senior trauma care surgeon at JPNA Trauma Center in Delhi.

Road safety expert Rohit Baluja said that unfortunately, crash data in India remains "largely descriptive rather than diagnostic". He added, "Most crashes continue to be attributed to driver error or weather conditions, while critical contributory factors relating to road design, traffic engineering deficiencies, vehicle factors, enforcement practices, and post-crash response are seldom scientifically investigated or recorded."

Hair Dye under Regulator's Lens; Firms asked to prove safety compliance

New Delhi, Agency: Millions of Indians use hair colour products every month to cover grey hair or change their appearance. Now, the country's drug regulator wants manufacturers and importers to demonstrate that the products they sell comply with safety standards and carry adequate warnings for consumers.

In a circular issued on June 10, the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) directed companies dealing in hair colour cosmetics to ensure compliance with the Cosmetics Rules, 2020, and applicable Bureau of Indian Standards (BIS) norms governing ingredients, safety restrictions and labelling.

The move comes amid heightened regulatory attention on cosmetic products and places the spotlight on ingredients used in hair dyes, some of which are subject to restrictions because of their potential to trigger allergic reactions or other adverse effects in sensitive users. CDSCO said hair colour products must comply with standards that specify which colouring ingredients can be used, which substances are restricted, and what warnings, directions and safety information must be displayed on labels.

Ex-RCom execs Doshi & Seth arrested by ED in ADAG case

New Delhi, Agency: ED Friday arrested Gautam Doshi and Satish Seth, former top executives in Reliance Telecom and close associates of Anil Ambani, in its ongoing money laundering probe against Ambani's Reliance group entities. Doshi and Seth were arrested in Mumbai. While Doshi was brought to Delhi to be presented before a special PMLA court; Seth, after arrest, was hospitalised at JJ Hospital in Mumbai.

"Doctors who are treating the accused were not allowing ED to physically produce him before court. Hence, ED moved application seeking permission to produce him on video conference," it said. Later, a Mumbai court sent Seth to ED custody for two days with transit remand to be produced before a Delhi court on June 14.

ED's case against Ambani and his group entities and associates is handled by a special investigation team constituted at the agency's headquarters here. The duo, along with Amitabh Jhunjhunwala, who is in judicial custody, comprised the core leadership team of Ambani.

ICMR, Gates Foundation launch Rs 1-Crore challenge to fight anaemia

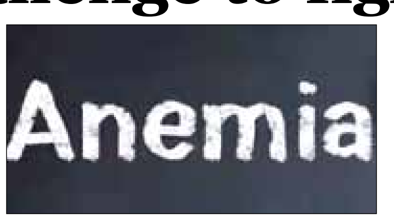

New Delhi, Agency: With anaemia continuing to affect nearly one in two adolescent girls and women despite long-running supplementation programmes, the Indian Council of Medical Research (ICMR) and the Gates Foundation have launched a Rs. 1-crore Grand Challenge to develop attractive, iron-rich food products that women would be willing to consume every day.

The initiative seeks proposals to develop affordable, nutrient-dense foods for adolescent girls and women of reproductive age, shifting the focus from conventional supplementation towards products that are more appealing, convenient and aligned with consumer preferences. The programme is open to researchers, startups, food companies and non-profit organisations, with grants of up to Rs. 1 crore available for prototype development over one year.

According to the document, anaemia affects around 50% of adolescent girls and women of reproductive age in India. Despite years of iron-folic acid supplementation programmes, the burden remains high because of poor adherence, concerns over side effects, social stigma around medicines, supply-chain challenges and low awareness.

Recognising that food choices are often driven by taste, convenience and social norms, the challenge calls for development of products that are "aspirational" rather than medicinal. Suggested formats include fortified snacks, bars, chikkis, savoury bites, beverages, gummies, chewables and other convenient food products capable of delivering iron while fitting naturally into daily consumption habits. The programme seeks products capable of delivering about 4-5 mg of iron per serving while ensuring affordability, consumer acceptability and scalability across diverse Indian settings. Developers have also been encouraged to use regionally relevant ingredients and flavours and incorporate strategies that improve iron absorption.

Operation Sindoor DGMO Lt Gen Ghai named Military Adviser to NSCS

New Delhi, Agency: This is the first time a serving military officer has been appointed Military Adviser to the NSCS, which is headed by National Security Adviser Ajit Doval. Previous holders of the post were all retired officers.

Lt Gen Ghai, whose military tenure runs until December 2027, is expected to assume charge shortly. His appointment to the NSCS was made earlier this week. Lt Gen Ghai does not have the seniority or the mandatory residual service required for appointment as an Army Commander. He previously commanded the 15 Corps before serving as DGMO and later as Deputy Chief of the Army Staff. Commissioned into the Kumaon Regiment, he has commanded an infantry battalion in the western sector, an independent brigade in the Central sector and a division in Arunachal Pradesh.

In the past, another serving officer, Lt Gen MU Nair, was appointed National Cyber Security Coordinator in the NSCS. However, Lt Gen Ghai will be the first serving officer to hold the post of Military Adviser. Before him, the position was held by Gen NS Raja Subramani, who is now the Chief of Defence Staff (CDS).

'Order floor test': Ritabrata Banerjee claims support of 64 TMC MLAs, submits list to Speaker

New Delhi, Agency: West Bengal leader of opposition Ritabrata Banerjee on Friday claimed the support of 64 of the Trinamool Congress's 80 MLAs in the state assembly, amounting to more than two-thirds of the party's legislative strength. He said the names had been submitted to the Speaker and asserted that his majority would be proven if a floor test were held.

"Just as the rebel MPs submitted their list to the Lok Sabha Speaker in Parliament, the rebel TMC MLAs also submitted their list to the assembly Speaker. The number of MLAs with us currently stands at 64. If the Speaker feels it is necessary, he can order a floor test. We will prove our strength in how many MLAs are with us," PTI quoted Ritabrata Banerjee saying. "Whether the number increases or not, we will know by Monday or Tuesday," he added. Addressing the reports regarding 20 Lok Sabha MPs rebelling against TMC, he said, "I will not be surprised if more than 20 MPs are found to be associated with the rebellion. A Member of Parliament has a right to raise questions. But we were told that questions would come from a particular place or a research team. I did not submit a single question during my last Rajya Sabha session because I objected to that system".

Speaking on Kalyan Banerjee's remarks targeting the party leadership, Ritabrata said the veteran parliamentarian had merely voiced concerns long raised by the dissident camp. "What he said individually is something we have been saying collectively for a long time," he said.

The twin rebellions have triggered TMC's most serious organisational crisis since its inception in 1998, with the party dismissing the dissidents' claims as politically motivated while the rebels continue to assert their numerical strength in the assembly and Parliament.

Govt notifies order to cap bulk fuel buys during crunch

New Delhi, Agency: Amid a growing shift by industrial and commercial consumers to retail fuel stations to take advantage of lower prices, govt has empowered itself to temporarily restrict bulk purchases of petrol and diesel from pumps during periods of supply stress to prevent shortages, hoarding and diversion of supplies meant for ordinary consumers.

The petroleum ministry has notified the Motor Spirit and High Speed Diesel (Temporary Regulation of Supply through Retail Outlets) Order, 2026, creating a legal framework under which restrictions can be imposed on fuel procurement through retail outlets whenever deemed necessary in public interest.

Institutional, industrial and commercial consumers can be directed not to procure petrol or diesel from retail outlets and instead source their requirements through authorised bulk channels.

'Escalated by giving it a platform': Comedian Pranit More apologises for Rs 370 biryani post, begs for 'chance to become better person'

New Delhi, Agency: Stand-up comedian Pranit More has issued a public apology following the controversy over the viral 'Rs 370 biryani' remark made during one of his comedy shows, saying he made a 'serious mistake' by allowing derogatory comments to be made on stage and failing to intervene.

In a video posted on Instagram, More acknowledged the criticism he has faced since the clip went viral and admitted that he should have stopped the remarks at the time.

"You may have seen the video for which I have been receiving a lot of criticism, and I believe I deserve it. Several derogatory remarks were made in that video. At the time, everyone around was laughing, and I got carried away. It was a lapse in judgement on my part, and I believe it was a serious mistake," he said.

More admitted that he could have stopped the conversation or taken a stand during the show.

"I could have stopped it there or taken a stand, but I failed to do so. By giving it a platform, I contributed to the situation escalating the way it did," he said.

The comedian apologised to those who were offended by the incident and said he was cooperating with authorities in connection with the case.

"I want to sincerely apologise to everyone who was hurt because of this. I am also cooperating with the authorities in relation to any legal proceedings against me," More said.

Seeking another chance from his audience, he added, "I would just like to request one thing from all of you - please give me one chance. I will prove that I can become a better person.